दैनिक
स्वर्णिम प्रदेश
PRN: MCN/329/2025-2027
http://www.swarnimpradesh.in
http://epaper. swarnimpradesh.in
Email- swarnimpradesh@yahoo.com
संरक्षकः मां वैष्णों देवी
* वर्षः 07 * अंक : 270 * मुंबई, शुक्रवार, 4 अप्रैल 2025 * पेजः 6 * मूल्यः 2 रुपये * संपादकः सुनील कुमार तिवारी

मुंबई। चिली गणराज्य के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से ताज होटल में शिष्टाचार मुलाकात कर विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्त रूप से कार्य करने को लेकर सकारात्मक चर्चा की। इस मौके पर राजशिष्टाचार मंत्री जयकुमार रावल, भारत की चिली में उच्चायुक्त अभिलाषा जोशी, चिली गणराज्य का प्रतिनिधिमंडल, अतिरिक्त मुख्य सचिव मनीषा म्हैसकर, अतिरिक्त मुख्य सचिव (विपणन) डॉ. राजगोपाल देवरा तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

थाईलैंड में पीएम मोदी का भव्य स्वागत
लोगों में दिखा जबरदस्त उत्साह
मोदी-मोदी के नारों से गूंजा बैंकॉक

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक पहुंचे, जहां भारतीय समुदाय ने उनका भव्य स्वागत किया। एयरपोर्ट पर 'मोदी-मोदी' और 'भारत माता की जय' के नारों के बीच लोगों ने तिरंगे लहराए। कई महिलाएं पीएम मोदी से मिलकर भावुक हो गईं, एक महिला ने तो उनका हाथ चूमकर रोते हुए अपनी भावनाएं प्रकट की।

भारतीय समुदाय ने गर्मजोशी से किया स्वागत

थाईलैंड में बसे भारतीय प्रवासियों ने पीएम मोदी के स्वागत में देशभक्ति के नारे लगाए। मोदी ने हाथ जोड़कर सभी का अभिनंदन किया और गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर लिखाः

'बैंकॉक में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए मैं आभारी हूं। भारत और थाईलैंड के बीच एक गहरा सांस्कृतिक बंधन है, जो हमारे लोगों के माध्यम से मजबूत होता रहता है।'

थाईलैंड की पीएम पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा से व्यापारिक वार्ता

थाईलैंड पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने वहां की प्रधानमंत्री पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत-थाईलैंड के व्यापारिक और कूटनीतिक संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की। इसके साथ ही पर्यटन, रक्षा सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ। (**शेष पेज ०२ पर**)

वक्फ बिल का समर्थन करना जेडीयू को पड़ा भारी! 2 मुस्लिम नेताओं ने पार्टी से दिया इस्तीफा

संवाददाता

पटना। वक्फ संशोधन विधेयक पर जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के रुख से नाराज होकर पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहम्मद कासिम अंसारी ने अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। देर रात लोकसभा में यह विधेयक पारित कर दिया गया, जिसमें एनडीए की सहयोगी जेडीयू ने व्यापक विरोध के बावजूद इसका समर्थन किया।

नीतीश कुमार को लिखे पत्र में अंसारी ने जताई नाराजगी

अंसारी ने बिहार के मुख्यमंत्री और जेडीयू अध्यक्ष नीतीश कुमार को लिखे अपने पत्र में पार्टी के इस फैसले पर गहरी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारतीय मुसलमानों ने जेडीयू पर धर्मनिरपेक्षता बनाए रखने के लिए भरोसा किया था, लेकिन अब यह भरोसा टूट चुका है। उन्होंने लोकसभा में जेडीयू नेता ललन सिंह द्वारा दिए गए भाषण की आलोचना करते हुए इस विधेयक को मुस्लिम विरोधी और संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन बताया। अंसारी ने इसे पसमांदा मुस्लिम समुदाय के खिलाफ भेदभावपूर्ण करार दिया। उन्होंने अपने पत्र में लिखा- हम जैसे लाखों भारतीय मुसलमानों को जेडीयू की धर्मनिरपेक्ष विचारधारा पर अटूट विश्वास था। हालांकि, अब यह विश्वास टूट गया है। वक्फ बिल पर जेडीयू द्वारा लिए गए रुख ने हमें गहरा सदमा दिया है। लोकसभा में जिस तरह ललन सिंह ने बिल का समर्थन किया, वह बेहद निराशाजनक है। (**शेष पेज ०२ पर**)

बीएमसी या भ्रष्टाचार मार्केटिंग कंपनी?
डी वार्ड के भ्रष्ट डीईओ दिलीप अहिरे पर मेहरबान अश्विनी जोशी

वी बी माणिक

मुंबई। मुंबई की बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) अब एक भ्रष्टाचार मार्केटिंग कंपनी बन गई है, जहां बिना लूट-खसोट और बेईमानी के कोई काम नहीं होता। यहां सिपाही से लेकर आयुक्त तक सभी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, लेकिन ईमानदारी का चोला पहनकर बैठते हैं। गरीबों को लूटने वाले ये अधिकारी अवैध काम करने वालों के इशारों पर नाचते हैं। बीएमसी में अवैध निर्माण का खेल बिना नियम-कानून की परवाह किए खुलेआम चलता है। डी विभाग का कार्यकारी अभियंता और पदनिर्देशित अधिकारी (DO) दिलीप संतोष अहिरे इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। १९ अप्रैल २०२१ से सहायक अभियंता के रूप में तैनात अहिरे ने १ जुलाई २०२२ को डी वार्ड में ही टेंडर भरकर कार्यकारी अभियंता का पद हासिल कर लिया। सवाल यह है कि किस नियम के तहत उसकी पोस्टिंग उसी वार्ड में हुई? क्या अति-आयुक्त अश्विनी जोशी इस पर कोई कार्रवाई करेंगी या फिर उन्हें भी भ्रष्टाचार का आशीर्वाद प्राप्त है?

अहिरे और उसकी पूरी टीम अवैध निर्माण को बढ़ावा देने में लगी हुई है। बीएमसी में नगर अभियंता का कार्यालय अब दलालों और बिल्डर माफियाओं की शरणस्थली बन चुका है। अधिकारी बंद कमरों में बैठकर वसूली करते हैं, लेकिन आम नागरिकों से मिलने से कतराते हैं। नगर अभियंता और डायरेक्टर मिलकर पोस्टिंग और ट्रांसफर का खेल खेलते हैं, जिसमें सिर्फ पैसा चलता है। आज बीएमसी पूरी तरह भ्रष्टाचार की नींव पर खड़ी है। अति-आयुक्त अश्विनी जोशी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस लूट में सबसे आगे हैं। यही वजह है कि मुंबई के प्रत्येक वार्ड में जेई, एसई और एई की नियुक्ति बिना टेंडर के नहीं होती। बीएमसी अब शहर की सेवा करने के बजाय नागरिकों का खून चूसने वाली संस्था बन गई है। ऐसे भ्रष्टाचारियों को शर्म आनी चाहिए, जो जनता की गाढ़ी कमाई को लूटकर अपनी जेबें भर रहे हैं। मुंबई के नागरिकों को इस लूट के खिलाफ आवाज उठानी होगी, वरना बीएमसी का यह भ्रष्टाचार कभी खत्म नहीं होगा।

मंत्री प्रताप सरनाईक ने एसटी महामंडल की आय बढ़ाने के लिए नई विज्ञापन नीति तैयार करने के दिए निर्देश

संवाददाता

मुंबई। एसटी महामंडल की बसों और बस स्टैंड पर विज्ञापनों से होने वाली आय को १०० करोड़ रूपए तक बढ़ाने के लिए व्यापक नई नीति तैयार करने के निर्देश परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने दिए हैं। परिवहन आयुक्तालय में आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री सरनाईक ने कहा कि वर्तमान में जिन विज्ञापन एजेंसियों को कार्य दिया गया है, उनसे अपेक्षित आय नहीं मिल रही है। इसलिए, उनके अनुबंध रद्द कर अधिक आय देने वाली एजेंसियों का चयन किया जाएगा। वर्तमान में विज्ञापन से एसटी को २२-२४ करोड़ रूपए की आय होती है, जिसे १०० करोड़ रूपए तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

बसों और बस स्टैंड के सुधार पर जोर

नई बसों की खरीद में यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विज्ञापन के लिए उपयुक्त पैनल लगाने की व्यवस्था की जाएगी। पुरानी बसों में भी यह लागू किया जाएगा। साथ ही, महत्वपूर्ण बस स्टैंडों के सुधार के लिए भी योजना बनाई जाएगी। महिलाओं की सुविधा के लिए एसटी को डीजल आपूर्ति करने वाली कंपनियों को उनके सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) फंड से बस स्टैंडों पर स्वच्छ शौचालय और महिला प्रतीक्षालय बनाने के निर्देश दिए गए। मंत्री सरनाईक ने यह भी कहा कि भविष्य में डीजल की निविदाएं जारी करते समय सीएसआर फंड की शर्त जोड़ी जानी चाहिए।

इलेक्ट्रिक बस अनुबंध पर सख्त रुख

एसटी महामंडल को किराए पर दी जाने वाली ५,१५० इलेक्ट्रिक बसों में से केवल २२० बसें ही आपूर्ति की गई हैं। इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए मंत्री सरनाईक ने संबंधित कंपनियों को अंतिम नोटिस देने का निर्देश दिया। यदि इसके बाद भी बसों की आपूर्ति नहीं होती, तो उनके अनुबंध रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी।

नई बसें हर डिपो तक पहुंचेगी

इस साल एसटी महामंडल के बेड़े में २,६४० नई लालपरी बसें शामिल की जा रही हैं। इनमें से मार्च के अंत तक ८०० बसें १०० डिपो में भेजी जा चुकी हैं। मंत्री सरनाईक ने निर्देश दिया कि अगले दो महीनों में सभी २५१ डिपो तक नई बसें पहुंचाई जाएं। नई बसों को जनता से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इसलिए, भविष्य में भी उच्च गुणवत्ता वाली बसें शामिल करने और सभी बसों में जीपीएस व सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए।

'बांद्रा स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट' के तहत घरों का सपना होगा पूराः पालकमंत्री एड.आशिष शेलार

संवाददाता

मुंबई। विकास कार्यों के दौरान मानवीय दृष्टिकोण बनाए रखना आवश्यक होता है। 'बांद्रा स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट' के तहत बांद्रा पूर्व के गौतम नगर क्षेत्र में कई परिवारों का अपने घर का सपना पूरा हो रहा है, ऐसा मुंबई उपनगर जिले के पालकमंत्री एड. आशिष शेलार ने कहा। झोपड़पट्टी पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) के तहत पुनर्वसित किए जा रहे निवासियों को उनके नए घरों के करार पत्र वितरित करने का कार्यक्रम मुंबई उपनगर जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित किया गया। पालकमंत्री शेलार ने इस अवसर पर १० लाभार्थियों को उनके घर के करार पत्र सौंपे। इस दौरान मुंबई उपनगर जिले के जिलाधिकारी राजेंद्र क्षीरसागर, वरिष्ठ अधिकारी और अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। पालकमंत्री शेलार ने बताया कि मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, गृहनिर्माण मंत्री और संबंधित अधिकारियों के सहयोग से यह परियोजना सफलतापूर्वक पूरी हो रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि गणेश उत्सव से (**शेष पेज ०२ पर**)

खंडवा में कुएं की सफाई करने उतरे 8 लोग जहरीली गैस की चपेट में, 4 की मौत

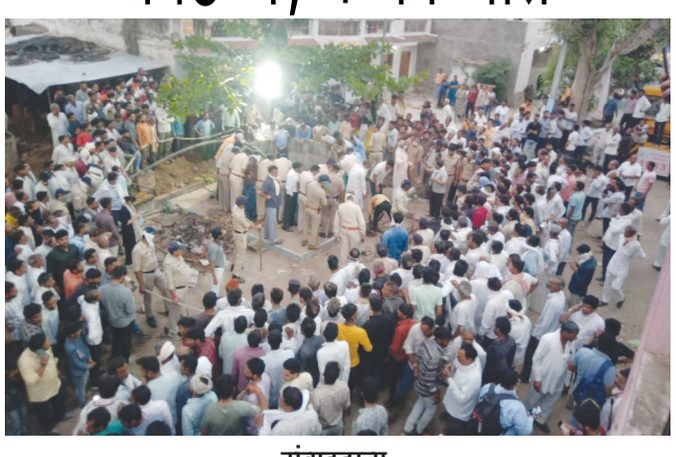

संवाददाता

खंडवा। गणगौर माता विसर्जन के लिए कुएं की सफाई के दौरान गुरुवार को जहरीली गैस रिसाव से बड़ा हादसा हो गया, जिसमें ८ लोग कुएं में डूब गए। शाम ७ बजे तक ४ लोगों के शव निकाले जा चुके थे, जबकि शेष ४ की तलाश जारी है। मौके पर पुलिस, प्रशासन और एसडीईआरएफ की टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हैं। यह हादसा खंडवा के छैगांवमाखन क्षेत्र के ग्राम कोंडावत में हुआ, जहां गणगौर विसर्जन से पहले सफाई के लिए दो लोग कुएं में उतरे और जहरीली गैस के कारण उनका दम घुट गया। उन्हें बचाने के लिए ६ और लोग कुएं में उतरे, लेकिन वे भी गैस की चपेट में आ गए। घटना की सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। छैगांवामाखन और पंधाना थाने की पुलिस टीम एसडीईआरएफ के जवानों के साथ घटनास्थल पर पहुंची। जहरीली गैस के कारण बचाव कार्य में दिक्कत आ रही थी, जिसके चलते एसडीईआरएफ कर्मी ऑक्सीजन मास्क पहनकर कुएं में उतरे और ४ शव बाहर निकाले। यह हादसा उस वक्त हुआ जब कुनबी पटेल समाज की माता का विसर्जन होना था और परंपरा के अनुसार लोग कुएं की सफाई कर रहे थे।

सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय मौके पर पहुंचे और मेडिकल कॉलेज व अस्पताल को अलर्ट कर दिया गया। अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में पुलिस तैनात की गई है ताकि रेस्क्यू किए गए लोगों के इलाज में कोई बाधा न आए। इस हादसे से गांव में मातम पसरा हुआ है, जबकि प्रशासन लगातार बचाव अभियान चला रहा है।

वक्फ बिलः मोदी सरकार पर गरजे संजय राउत
बोले- मुसलमानों की इतनी चिंता तो जिन्ना ने नहीं की

संवाददाता

मुंबई। लोकसभा में बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने के बाद राज्यसभा में इस पर चर्चा जारी है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने इस विधेयक का कड़ा विरोध करते हुए इसे लोगों का ध्यान भटकाने की रणनीति बताया। उन्होंने कहा कि सरकार महत्वपूर्ण आर्थिक और विदेश नीति के मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए धार्मिक विषयों को चर्चा में ला रही है।

'असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश': सांसद संजय राउत

संजय राउत ने कहा, 'कल ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत पर २६ प्रतिशत टैरिफ का आक्रमण किया। उसी दिन सरकार वक्फ बिल लेकर आई, ताकि असली मुद्दों को दबाया जा सके। जब भी महंगाई और रोजगार पर बात आती है, तो सरकार धार्मिक मुद्दे उठाकर २-५ दिन की चर्चा कराती है।'

राज्यसभा में अपने भाषण के दौरान संजय राउत ने गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू पर निशाना साधते हुए कहा, 'कल से आप लोग मुसलमानों की चिंता कर रहे हैं, उतनी तो बैरिस्टर मोहम्मद अली जिन्ना ने भी नहीं की होगी। आपके भाषणों को सुनकर ऐसा लगता है कि जिन्ना की आत्मा आपकी सरकार में प्रवेश कर गई है। पहले हमें लगा था कि हम सब मिलकर हिंदू राष्ट्र बना रहे हैं, लेकिन आपके भाषणों से लगता है कि आप हिंदू पाकिस्तान बना रहे हैं।

'आपको मुसलमानों की चिंता कब से होने लगी?'

संजय राउत ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा, 'आप मुसलमानों को चोर, जमीन छीनने वाला, मंगल सूत्र लूटने वाला, देशद्रोही कहते थे। अब आप ही उनकी संपत्ति के रखवाले बन गए? आप हिंदुओं की जमीन नहीं बचा पाए और अब मुस्लिमों की जमीन बचाने की बात कर रहे हैं?'

अमेरिका के टैरिफ हमले पर भी साधा निशाना

शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने अमेरिका द्वारा भारत पर २६ प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ लगाने पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, 'अमेरिका के राष्ट्रपति जब भारत के प्रधानमंत्री को 'महान व्यक्ति' कहते हैं, तो सरकार इसका ढोल पीटने लगती है। लेकिन देखिए, अब अमेरिका ने हमें क्या बना दिया? विदेश मंत्री विशेषज्ञ होने के बावजूद, अमेरिका बार-बार भारत का उपहास उड़ा रहा है। यूरोपीय संघ इस फैसले के खिलाफ खड़ा हो गया है, (**शेष पेज ०२ पर**)

स्वर्गेट बलात्कार मामलाः अदालत ने आरोपी की पुलिस हिरासत बढ़ाने से किया इनकार

संवाददाता

पुणे। पुणे की एक अदालत ने बुधवार को स्वर्गेट बलात्कार मामले में आरोपी दत्तात्रेय गाडे की पुलिस हिरासत बढ़ाने की अपराध शाखा की याचिका खारिज कर दी। अदालत ने माना कि पुलिस ने हिरासत बढ़ाने के लिए पर्याप्त ठोस कारण नहीं दिए। गाडे को २८ फरवरी को गिरफ्तार किया गया था और शुरू में उसे १२ मार्च तक पुलिस हिरासत में रखा गया था। हालांकि, अपराध शाखा ने आगे की हिरासत की मांग करते हुए तर्क दिया कि जांच के हिस्से के रूप में आरोपी की हरकतों और व्यवहार के पैटर्न का विश्लेषण करने के लिए उन्नत ३डी तकनीक का उपयोग करना आवश्यक है। लेकिन अदालत ने इस दलील को अस्वीकार कर दिया, जिससे जांच प्रक्रिया धीमी हो गई। २६ वर्षीय महिला ने स्वर्गेट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके साथ बलात्कार किया गया था। पुलिस ने व्यापक तलाशी अभियान के बाद २८ फरवरी को तड़के करीब १:१५ बजे गाडे को एक गन्ने के खेत से गिरफ्तार किया। जांच में यह भी सामने आया कि उसके खिलाफ डकैती के छह पुराने मामले दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद, पुलिस ने उसकी मेडिकल जांच करवाई और डीएनए सैंपल एकत्र किया। हिरासत के दौरान, उसे अपराध स्थल पर ले जाया गया और उस (**शेष पेज ०२ पर**)

संपादकीय

चर्चा अमेरिकी टैरिफ की नहीं वक्फ बोर्ड की!

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिरकार रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा कर दी है। उन्होंने भारत समेत कई देशों पर टैरिफ लगा दिया है। ट्रंप ने भारत पर भारत पर २६ प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। सारा विश्व चिंतित है कि अर्थव्यवस्था का क्या होगा? अमेरिकी टैरिफ की काट करने के लिए चीन, जापान, उत्तर और दक्षिण कोरिया साथ आ गए और बिना टैरिफ के व्यापार करने पर सहमति बनाने पर विचार कर रहे हैं। यूरोपीय राष्ट्र चिंतित हैं। अमेरिकी नेता ने कहा कि उत्तर-पूर्वी कई राष्ट्र सोवियत रूस के हिस्से थे जो अब नहीं हैं। इसका अर्थ है कि सोवियत रूस की आधी समस्या अमेरिका ने कहकर खत्म कर दी। अब रूस, उन राष्ट्रों को सोवियत रूस में मिलने का रास्ता खोल सकता है, तो दूसरी तरफ रूस ने अमेरिकी मार्ग में नहीं आने की बात कहकर ग्रीनलैंड और पनामा नहर पर अमेरिका को कब्जा करने की हरी झंडी दे दी है। अब दोनों मुल्कों को खुला खेल फर्रुखाबादी की छूट मिल गई है। चीन को अमेरिका को एक्सपोर्ट से हाथ खींचने का अवसर मिल गया। अब वह भारत के साथ ट्रेड बढ़ाने को उत्सुक है। चीनी राजदूत ने खुलेआम कहा कि भारत ने बॉर्डर पर जो सधी हुई नीति अपनाई है, उससे विश्वास बढ़ा है। अब वह और तेजी से भारतीय उपभोक्ताओं को सस्ते सामान बेचकर अपनी अर्थव्यवस्था सुधार लेगा।

भारत पर २६ प्रतिशत टैरिप लगाए जाने से दवाओं और कृषि उपज का अमेरिका में निर्यात महंगा पड़ेगा। परंतु हमारी सरकार को इस गंभीर मुद्दे पर सदन में चर्चा करनी चाहिए थी। अमेरिका को निर्यात और आयात के खर्च का ब्यौरा देखें तो भारत को छह लाख करोड़ का नुकसान होगा, लेकिन बीजेपी सरकार को तो मंदिर-मस्जिद, हिंदू-मुस्लिम और औरंगज़ेब के अलावा अब एक नया शिगूफा वक्फ बोर्ड को लेकर छेड़ा है। संसदीय समिति में विपक्षी दलों के एक भी संशोधन नहीं किए गए। मनमाने ढंग से वोटिंग कराई गई। विपक्षी दल वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पास कराने के लिए चिंतित हो सकते हैं। नीतीश कुमार ने सरकारी बिल का समर्थन कर अपने पैरों पर आप ही गोली मार ली है। नायडू और पासवान ने भी बीजेपी को समर्थन देने के लिए हामी भर ली है। इसका असर बिहार और आंध्र प्रदेश की सरकारों पर पड़ेगा, साथ ही उन छोटे दलों पर भी जो बीजेपी सरकार को समर्थन दे रहे हैं। दरअसल, बिहार के बाद उत्तर प्रदेश का चुनाव होगा। इसलिए वक्फ बोर्ड के जरिए सरकार हिंदू वोट साधना चाहती है। दूसरी तरफ, मुस्लिम प्रवक्ता ने कहा कि हम शांति पूर्वक संवैधानिक और लोकतांत्रिक तरीके से सड़क पर उतरेंगे। यह समूचे भारत में किया जाना है। बीजेपी सरकार तो यही चाहती है, जिससे मोदी सरकार को राजनीतिक लाभ मिलेगा। जब मुसलमान अपनी रक्षा के लिए सड़क पर उतरेंगे, तो यह बीजेपी के पक्ष में जाएगा। देश में विरोध रैलियों का ऐलान हो चुका है। संविधान के अनुच्छेद के तहत मुसलमानों के सड़क पर उतरने से सांप्रदायिक तत्व भीड़ में घुसकर तोड़फोड़ कर सकते हैं। बीजेपी उनकी खबर लेगी और बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। देश में मुसलमानों के प्रति हिंदुओं में जहर घोला जा रहा है। कभी रोड, कभी रेलवे स्टेशन, कभी मंदिर-मस्जिद, कभी 'ज़्यादा बच्चे पैदा करने' और 'कपड़ों से पहचानने' जैसे बयान दिए जा रहे हैं। अब औरंगज़ेब के मकबरे को लेकर भी राजनीति शुरू कर दी गई है। यह मकबरा, जो कि सादा मिट्टी का था, औरंगज़ेब ने अपनी इच्छा से भव्य नहीं बनवाया था, लेकिन अंग्रेजों ने इसे खूबसूरत बनवाया था। अब इसे हटाने की सियासत हो रही है, जिस पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी नाराजगी जता चुके हैं। अब वक्फ बोर्ड का मुद्दा भी इसी कड़ी में शामिल हो गया है। वक्फ बोर्ड में सुधार या संशोधन बिल के लिए संसदीय टीम बनाई गई थी, मगर विपक्ष का एक भी सुझाव नहीं माना गया। वहां भी बहुमत के आधार पर वोटिंग कराकर इसे पास करा लिया गया, जैसे सीबीआई, ईडी और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति सरकार अपने दो और विपक्ष के एक वोट के बहुमत से करती रहती है। सरकार कहती है कि वक्फ बोर्ड संशोधन बिल भ्रष्टाचार के खिलाफ है। भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की लड़ाई दुनिया बार-बार देख चुकी है। सारे विपक्षी भ्रष्ट नेताओं को बीजेपी में शामिल कराया जा रहा है। अडानी पर अमेरिका में फ्रॉड का केस है। अमेरिका ने भारत सरकार से अडानी की गिरफ्तारी और उसे सौंपने की मांग की है। शेयर मार्केट में कैप बढ़ाकर फर्जी तरीके से मोटी कमाई कर फ्रॉड किया गया। सेबी प्रमुख माधवी बुच पर विदेशी धरती पर शेल कंपनियां बनाकर खुद लाभ कमाने के आरोप लगे हैं, लेकिन सरकार ने कभी जांच नहीं कराई। बीजेपी के जिन नेताओं के यहां काले धन के अंबार पकड़े गए, उन पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हुई। अभी-अभी दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस वर्मा के आवास में स्टोररूम में आग लगने के बाद कथित रूप से जली हुई पांच सौ रुपये के नोटों की गड्डियां फायर ब्रिगेड को मिलीं।

इस पर कांग्रेस प्रवक्ता ने तंज कसा कि अब ईडी का काम फायर ब्रिगेड कर रही है। ईडी कभी उस जस्टिस के घर क्यों नहीं पहुंची? सरकार और प्रशासन मौन क्यों है? क्या वे पैसे किसी शक्तिशाली मंत्री के थे? यह सवाल जरूर उठा है। क्या यह सरकार की नाक के नीचे भ्रष्टाचार नहीं है? इसलिए वक्फ बोर्ड संशोधन बिल में कहीं कोई भ्रष्टाचार का मामला न होकर हिंदू वोटों के ध्रुवीकरण का मामला है—'देखो, हमने कर दिखाया।' योगी आदित्यनाथ पहले ही कह चुके हैं कि चुनाव अस्सी और बीस के बीच है, यानी विभाजन रेखा खींचकर बीजेपी अपनी वोट बैंक की नीति चला रही है, जो वह हमेशा से करती आई है। सरकार चाहती है कि इस मामले में मुसलमान सड़कों पर उतरें, ताकि उन पर और आरोप लगाए जा सकें। इस बिल को समर्थन देकर नीतीश कुमार, नायडू, चिराग पासवान जैसे नेता अपने राजनीतिक करियर को नुकसान पहुंचा रहे हैं। अगले चुनाव में उनकी हार तय मानी जा रही है। 'हाराकिरी' जापान में सामूहिक रूप से समुद्र में कूदकर आत्महत्या करने की प्रथा को कहा जाता था। अब यह शब्द इनके राजनीतिक भविष्य के संदर्भ में इस्तेमाल हो सकता है।

पेज 1 का शेष...

थाईलैंड में पीएम मोदी...

गार्ड ऑफ ऑनर से हुआ स्वागत

थाईलैंड सरकार ने पीएम मोदी का औपचारिक रूप से गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्वागत किया। इसके बाद मोदी बैंकॉक के प्रसिद्ध वात फो मंदिर जाने की योजना बना रहे हैं। वात फो मंदिर बैंकॉक का सबसे पुराना और महत्वपूर्ण बौद्ध स्थल है। यह विशाल 'लेटे हुए बुद्ध' (रिक्लाइनिंग बुद्ध) प्रतिमा के लिए प्रसिद्ध है, जो ४६ मीटर लंबी और १५ मीटर ऊंची है। यह प्रतिमा निर्वाण मुद्रा में है और इसे सोने की परत से ढंका गया है। मंदिर परिसर में १,००० से अधिक बुद्ध प्रतिमाएं और ९० से अधिक स्तूप हैं। पीएम मोदी के इस मंदिर में जाने से भारत-थाईलैंड के सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूती मिलेगी। पीएम मोदी ने थाईलैंड में रामायण की स्थानीय प्रस्तुति 'रामकियेन' का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा- रामायण सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एशिया के कई हिस्सों को परंपराओं और संस्कृतियों से जोड़ती है। रामकियेन का प्रदर्शन देखना वास्तव में एक समृद्ध अनुभव था, जिसने भारत और थाईलैंड के बीच साझा सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को खूबसूरती से दर्शाया।'

भारत-थाईलैंड संबंधों को मिलेगी मजबूती

पीएम मोदी के इस दौरे से भारत और थाईलैंड के द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयां मिलने की उम्मीद है। दोनों देशों के बीच व्यापार, पर्यटन, संस्कृति और रक्षा सहयोग को लेकर कई अहम समझौते होने की संभावना है।

प्रदेश की मण्डिया किसानों को उपज का दिला रही हैं सही मूल्य

देवेश प्रताप सिंह राठौर

उत्तर प्रदेश सरकार किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत है। राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद द्वारा प्रत्येक जिले में मण्डी समितियों की स्थापना की गई है, जिससे किसानों को उनकी फसलों का वाजिब दाम मिल सके। वर्तमान में प्रदेश में २५१ से अधिक मण्डी समितियाँ विनियमित हैं, जिनमें से २२० मण्डी क्षेत्रों में मण्डी स्थल निर्मित हैं। इन मण्डी समितियों में केवल लाइसेंस प्राप्त व्यापारी ही कृषि उत्पादों का क्रय-विक्रय करने के लिए अधिकृत होते हैं।

किसानों को मिल रही सुविधा

जब किसान अपनी उपज को मण्डी स्थल पर लेकर आता है, तो उसे प्रवेश द्वार पर एक निर्धारित प्रारूप पर प्रवेश पर्ची दी जाती है, जिसमें किसान का नाम, पता, वाहन का विवरण, कृषि उत्पाद आदि की जानकारी दर्ज होती है। राज्य सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (श्एइ) से कम दर पर किसी भी कृषि उत्पाद की खरीद नहीं की जाती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए मण्डी प्रणाली को आधुनिक बनाने के कई कदम उठाए हैं। प्रदेश में मुख्यमंत्री कृषक कल्याणकारी योजना के अंतर्गत मण्डी परिषद द्वारा ७९,७९६ कृषकों को १३४.७६ करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। सरकार ने प्रदेश में २७ नई मण्डियों का आधुनिकीकरण और १८५ हाट-पैठ का निर्माण किया है। साथ ही, किसानों की सुविधा के लिए प्री-अराइवल ई-पास और डिजिटल भुगतान प्रणाली लागू की गई है। जनवरी २०२५ तक १२५ मण्डियों में लगभग ६,०९९ करोड़ रुपये का डिजिटल व्यापार किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, ६,९२२ ई-लाइसेंस जारी किए गए हैं और ४.१८ करोड़ से अधिक ऑनलाइन पर्चियां बनाई गई हैं।

किसानों को आर्थिक सहायता

सरकार द्वारा २०१९-२० से अब तक ४८,२१० किसानों को लगभग ९८.५० करोड़ रुपये का अनुदान वितरित किया जा चुका है। साथ ही, माता शबरी कैंटीन और विश्रामालय प्रत्येक कृषि मण्डी में स्थापित किए जा

रहे हैं, जहां किसानों को सस्ती दरों पर भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। लखनऊ में ४९ करोड़ रुपये की लागत से किसान एग्रीमॉल का निर्माण पूरा होने की स्थिति में है।

कृषि अवसंरचना को बढ़ावा

किसानों की उपज की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए प्रदेश के अमरोहा, वाराणसी और सहजनवा में इंटीग्रेटेड पैक हाउस का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है। प्रदेश में ८८ ग्रामीण हाट बाजार भी बनाए गए हैं। इसके अलावा, सरकार ने UP Mandi Bhav नामक एंड्रायड मोबाइल ऐप लॉन्च किया है, जिससे किसानों को बाजार भाव और मौसम की जानकारी निःशुल्क मिल रही है। साथ ही, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती को किसान सम्मान दिवस के रूप में मनाते हुए किसानों को ट्रैक्टर वितरित किए गए हैं।

बाढ़ सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण

प्रदेश सरकार ने १,५५१ बाढ़ सुरक्षा परियोजनाएं पूरी की हैं, जिससे ३२.८७ लाख हेक्टेयर भूमि को सुरक्षित किया गया है। इसके अलावा, महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सीडलिंग उत्पादन किया जा रहा है, जिससे ६०,००० महिलाओं को रोजगार मिला है।

सरकार द्वारा २५१ करोड़ रुपये की लागत से लखनऊ में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के नाम पर एक सीड पार्क की स्थापना का निर्णय लिया गया है। यह किसानों की पैदावार को बढ़ाने और उन्हें बेहतर बीज उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पुस्तक चर्चाः राजघाट से राजपाट तक

विवेक रंजन श्रीवास्तव

राजपाट प्राप्त करना प्रत्येक छोटे बड़े नेता का अंतिम लक्ष्य होता है। इसके लिये महात्मा गांधी की समाधि राजघाट एक मजबूत सीढ़ी होती है। गांधी के आदर्शो की बातें करता नेता, दीवार पर गांधी की तस्वीर लगाकर सही या गलत तरीकों से येन केन प्रकारेण सत्ता प्राप्त करने में जुटा हुआ है। यह लोकतंत्र का यथार्थ है। गांधी की खादी के पर्दे हटाकर जनता इस यथार्थ को अच्छी तरह देख और समझ रही है। किन्तु वह बेबस है, वह वोट दे कर नेता चुन तो सकती है किन्तु फिर चुने हुये नेता पर उसका कोई नियंत्रण नहीं रह जाता। तब नेता जी को आइना दिखाने की जिम्मेदारी व्यंग्य पर आ पड़ती है। भावना प्रकाशन, दिल्ली से सद्यः प्रकाशित व्यंग्य संग्रह राजघाट से राजपाट तक पढ़कर भरोसा जागता है कि अशोक व्यास जैसे व्यंग्यकार यह जिम्मेदारी बखूबी संभाल रहे हैं। विचारों का टैंकर अशोक व्यास जी का पहला व्यंग्य संग्रह था, जिसे साहित्य जगत ने हाथों हाथ लिया और उस कृति को अनेक संस्थाओं ने पुरस्कृत कर अशोक जी के लेखन को सम्मान दिया है। फिर 'टिकाऊ चमचों की वापसी' प्रकाशित हुआ वह भी पाठकों ने उसी गर्मजोशी से स्वीकार किया। उनके लेखन की खासियत है कि समाज की अव्यवस्थाओं, विसंगतियों, विकृतियों, बनावटी लोकाचार, कथनी करनी के अंतर, अनैतिक दुराचरण उनके पैने आब्जरवेशन से छिप नहीं सके हैं। वे निरंतर उन पर कटाक्ष पूर्ण लिख रहे हैं।

अशोक व्यास किसी न किसी ऐसे विषय पर अपनी कलम से प्रहार करते दिखते हैं। 'आत्म निवेदन के बहाने' शीर्षक से पुस्तक के प्रारंभिक पृष्ठों में उन्होने आत्मा से साक्षात्कार के जरिये बहुत रोचक शब्दों में अपनी प्रस्तावना रखी है। राजघाट से राजपाट तक विभिन्न सामयिक विषयों पर चुनिंदा इकतालीस व्यंग्य लेखों का संग्रह है। शीर्षकों को रोचक बनाने के लिये कई रूपकों, लोकप्रिय मिथकों का अवलंबन लिया गया है, उदाहरण के लिये 'मेरे दो अनमोल रतन आयेंगे', 'सुबह और शाम चाय का नाम', 'तारीफ पे तारीफ',' मैं और मेरा मोबाइल अक्सर ये बातें करते है 'आदि लेखों का जिक्र किया जा सकता है। शीर्षक व्यंग्य राजघाट से राजपाट में वे लिखते हैं' राजघाट ही वह स्थान है जो गंगाघाट के बाद सर्वाधिक उपयोग में आता है। जैसे गंगा घाट पर स्नान करके ऐसा लगता है कि इस शरीर ने जो भी उलटे सीधे धतकरम किये हैं वह सब साफ होकर डाइक्लीन किये हुए सूट की तरह पार्टी में पहनने लायक हो जाता है उसी प्रकार राजघाट तो गंगाघाट से भी पवित्र स्थान बनता जा रहा है। इस घाट पर आकर स्वयं साफ़ झक्कास तो हो जाते हैं, लगे हाथ क्षमा माँगने का भी चलन है। इस घाट पर देशी तो देशी-विदेशी संतों की भीड़ भी लगती

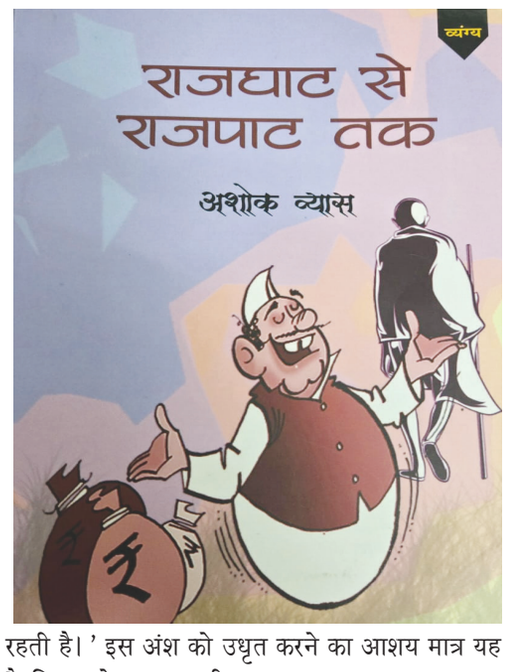

रहती है।' इस अंश को उधृत करने का आशय मात्र यह है कि अशोक व्यास की सहज प्रवाहमान भाषा, सरल शब्दावली और वाक्य विन्यास से पाठक रूबरू हो सकें। हिन्दी दिवस पर हिंदी की बातें में वे लिखते हैं 'तुम हिन्दी वालों की एक ही खराबी है, दिमाग से ज्यादा दिल से सोचते हो भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के वर्षो बाद भी देश में भाषाई विवाद सुलगता रहता है। राजनेता अपनी रोटी सेंकते रहते हैं। यह विडम्बना ही है। धारदार कटाक्ष, मुहावरों लोकोक्तियों का समुचित प्रयोग, कम शब्दों में बड़ी बात समेटने की कला अशोक व्यास का अभिव्यक्ति कौशल है। वे तत्सम शब्दों के मकड़जाल में उलझाये बगैर अपने पाठक से उसके बोलचाल के लहजे में अंग्रेजी की हिन्दी में आत्मसात शब्दावली का उपयोग करते हुये सीधा संवाद करते हैं। रचनाओं का लक्षित प्रहार करने में वे सफल हुये हैं। यूं तो सभी लेख अशोक जी ने चुनकर ही किताब में संजोये है किन्तु मुझे नंबरों वाला शहर, मिशन इलेक्शन, सरकार की नाक का बाल, हर समस्या का हल आज नहीं कल, चुनावी मौसम, आदि व्यंग्य बहुत प्रभावी लगे। रवीन्द्र नाथ त्यागी ने लिखा है 'हमारे संविधान में हमारी सरकार को एक प्रजातान्त्रिक सरकार' कह कर पुकारा गया है पर सच्चाई यह है कि चुनाव सम्पन्न होते ही 'प्रजा' वाला भाग जो है वह लुप्त हो जाता है और 'तन्त्र' वाला जो भाग होता है वही, सबसे ज्यादा शक्तिशाली हो जाता है।' अशोक व्यास उसी सत्य को स्वीकारते और अपने व्यंग्य कर्म में आगे बढ़ाते व्यंग्य लेखक हैं, जो अपने लेखन से मेरी आपकी तरह ही चाहते हैं कि तंत्र लोक का बने। आप का कौतुहल उनकी लेखनी के प्रति जागा ही होगा, तो पुस्तक खरीदिये और पढ़िये। पैसा वसूल वैचारिक सामग्री मिलने की गारंटी है।

वक्फ बिल का समर्थन करना...

अंसारी ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और सभी जिम्मेदारियों से इस्तीफा देने की घोषणा की। उन्होंने कहा- वक्फ विधेयक भारतीय मुसलमानों के खिलाफ है और हम इसे किसी भी हालत में स्वीकार नहीं कर सकते। यह विधेयक संविधान के कई मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है और पसमांदा समुदाय के साथ भेदभाव करता है। न तो आप और न ही आपकी पार्टी को इसका एहसास है। मुझे पार्टी को अपने जीवन के कई साल देने का पछतावा है। अंसारी के बाद जेडीयू के अल्पसंख्यक प्रदेश सचिव मोहम्मद शाहनवाज मलिक ने भी वक्फ बिल पर पार्टी के समर्थन के विरोध में इस्तीफा दे दिया। बिहार के जमुई जिले के अढ़ा निवासी मलिक ने सोशल मीडिया पर अपने इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि जेडीयू के इस कदम से राज्य के मुसलमानों का पार्टी पर से भरोसा उठ गया है। मलिक ने लोकसभा में ललन सिंह के बयान और जेडीयू के रुख पर कड़ा असंतोष जाहिर किया। उन्होंने कहा कि पार्टी के इस फैसले ने जेडीयू की धर्मनिरपेक्ष छवि को गहरा नुकसान पहुंचाया है।

'बांद्रा स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट...

पहले निवासियों को उनके नए घरों में प्रवेश मिल सके, इसके लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि बांद्रा पूर्व में ३०.१६ एकड़ सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) की जमीन उच्च न्यायालय को सौंपने का निर्णय लिया गया है। झोपड़पट्टी पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) ने सरकारी प्रयासों के तहत १४४ आवासीय इकाइयाँ प्राप्त की हैं, जिनमें ओम साई को ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी से ७७ और बालाजी शॉपकीपर्स एसोसिएशन से ६७ इकाइयाँ शामिल हैं। हालांकि, इन आवासीय इकाइयों को पूरा होने में छह से नौ महीने का समय लग सकता है, इसलिए १०० पात्र झोपड़ीधारकों को अपने खर्चे पर वैकल्पिक रहने की व्यवस्था करनी होगी। इस शर्त को ध्यान में रखते हुए पात्र झोपड़ीधारकों के साथ करार किए गए हैं।

वक्फ बिलः मोदी सरकार...

लेकिन भारत सरकार चुप है।शिवसेना (यूबीटी) का आरोप है कि सरकार वास्तविक आर्थिक और विदेश नीति के मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए धार्मिक विवादों को हवा दे रही है। विपक्ष ने मांग की है कि देश पर अमेरिका के टैरिफ फैसले और इसके आर्थिक प्रभावों पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए।

स्वर्गेट बलात्कार मामला...

खेत से सबूत इकट्ठा किए गए जहां वह छिपा हुआ था। इसके अलावा, पुलिस ने उन व्यक्तियों के बयान भी दर्ज किए जिनसे वह हिरासत के दौरान संपर्क में आया था। अपराध शाखा ने उन्नत ३डी तकनीक का उपयोग कर आरोपी के व्यवहार का विश्लेषण करने और मामले में नए सबूत जुटाने के लिए और हिरासत की मांग की थी। हालांकि, अदालत ने इस मांग को ठुकरा दिया, जिससे इस प्रक्रिया में अस्थायी देरी हो गई। बचाव पक्ष के वकील वाजिद खान बिडकर ने अदालत के फैसले की पुष्टि की।

जानिए ज्योतिष गुरू पंडित अतुल शास्त्री जी से आज का राशिफल

मेषः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज कोई ऐसा काम आपके पास आएगा, जिससे आपको धन लाभ हो सकता है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति पहले से और बेहतर हो जायेगी। आपके रुके हुए काम किसी अपने की मदद से जल्द पूरे हो जायेंगे। कुछ लोग आपसे दोस्ती के लिए हाथ आगे बढ़ा सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

वृषभः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपका वैवाहिक जीवन उम्दा रहेगा , जीवनसाथी के साथ ज्यादा समय बीतेगा। विद्यार्थियों की पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ेगी। कार्यालय जाते समय आप कोई जरूरी फाइल/कागज भूल सकते हैं। आपको अपने काम के प्रति सचेत रहना चाहिए। कुछ अच्छे मौके आपके हाथ से न निकलने पाएँ ध्यान रखें।

मिथुनः आज आपका दिन शानदार रहेगा। किसी जरूरी काम से की गई यात्रा लाभदायक हो सकती है। आपका व्यवहार दूसरों को प्रभावित कर सकता है। आज हर तरह के मामलों में आप शांत मन से विचार करेंगे। भविष्य में होने वाले किसी काम की तैयारी आज से ही शुरू कर सकते हैं। अपनों का साथ मिलने से आप खुश रहेंगे।

कर्कः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी निजी काम को पूरा करने के लिए बड़े-बुजुर्ग की राय मानना आपके लिए कारगर साबित होगा। घर में बच्चों की बर्थडे पार्टी का आयोजन करेंगे। घर पर कुछ मेहमान आ सकते हैं, जिससे घर में रौनक बनी रहेगी। काम के प्रति आपकी मेहनत रंग लायेगी। आपको एक्स्ट्रा इनकम के नए मौके मिलेंगे।

सिंहः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। कोई काम पूरा होने में थोड़ी अड़चन आ सकती है। किसी अनुभवी की मदद आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। समाज के लोग आपके पक्ष में रहेंगे। दोस्तों का भी आपको भरपूर सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति आपको थोड़ा जागरूक रहने की जरूरत है। साथ ही किसी भी तरह के पारिवारिक विवाद से आपको बचना चाहिए।

कन्याः कार्यक्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण फैसला लेने से आपको फायदा होगा। किसी अनुभवी की मदद से आपको धन लाभ की प्राप्ति होगी। पहले किए गये कामों से आपको लाभ होगा। साथ ही आपको संतान सुख की प्राप्ति भी होगी। दिन आपके फेवर में होने के कारण आप खुश रहेंगे। छात्रों को आज के दिन पढ़ाई पर ज्यादा धयान देने की जरूरत है।

तुलाः आज आपका दिन शानदार रहेगा। बच्चों के साथ घर पर समय बिताएंगे जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। इसके अलावा कार्यालय में सहयोगी आपके काम से काफी प्रभावित होंगे। कुछ लोग आपसे काम सीखने की चाह रखेंगे। आज आपको अपने सभी काम में सफलता मिलेगी। आपके अंदर भरपूर ऊर्जा रहेगी।

वृश्चिकः आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। किसी सहकर्मी से जरूरी काम पर रोचक चर्चा हो सकती है। दूसरों की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। कारोबार को बढ़ाने के लिए आपको कुछ खास लोगों से मदद मिल सकती है।

धनुः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। नौकरी करने वालों के लिए आज का दिन सामान्य रहने वाला है। आज कार्यालय में काम ज्यादा होने की वजह से घर देर से पहुंचेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति में कुछ सुधार होगा। किसी दोस्त की समस्या सुलझाने में आप खुद भी उलझ सकते हैं।

मकरः कार्यों की अधिकता के कारण आपको थकावट महसूस होगी। इसका असर आपकी दिनचर्या पर भी पड़ेगा। परिवार में आर्थिक रूप से आपकी कुछ जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। आपकी सभी समस्याएं सुलझ जायेगी और आपका दिन बेहतर रहेगा। साथी से उपहार मिलेगा।

कुंभः आज आर्थिक रूप से आपकी प्रगति होना तय है। जीवन में धन लाभ के नये अवसर आयेंगे। रूके हुये काम पूरे होने पर आपको खुशी का अनुभव होगा। सामाजिक कार्यों में आप बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। घर पर अचानक कुछ रिश्तेदार आ सकते हैं। बड़े-बुजुर्गों के आशीर्वाद से जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा। आपके दाम्पत्य संबंध में नई खुशियों का संचार होगा।

मीनः आज आपका दिन फायदेमंद रहेगा। धन लाभ के नये रास्ते खुले नजर आएंगे। ऑफिस में आज कोई ऐसा काम आपको मिलेगा, जिसके लिए आप बहुत दिनों से उत्सुक थे। विवाहितों के लिए आज का दिन यादगार रहने वाला है। आप भविष्य योजना कर सकते हैं।

खारघर में सिडको की 100वीं तोड़क कार्रवाई

संवाददाता

नवी मुंबई। खारघर में सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (सिडको) ने अवैध निर्माण के खिलाफ अपनी १००वीं कार्रवाई करते हुए एक अनधिकृत इमारत को ध्वस्त कर दिया। यह इमारत पहले २०१५-१६ में सिडको की कार्रवाई का सामना कर चुकी थी, जिसके बाद छह साल तक यह जमीन खाली पड़ी रही। हालांकि, जब सिडको भूखंड पर कब्जा करने में विफल रहा, तो दो साल पहले एक नए बिल्डर ने साइट पर पुनर्निर्माण किया और कई फ्लैट बेच दिए। मूल और नए बिल्डर के बीच विवाद बढ़ने के बाद मामला राज्य मंत्रालय तक पहुंचा, जिसके बाद सिडको को हस्तक्षेप करना पड़ा।

सिडको के मुख्य सतर्कता अधिकारी सुरेश मेंगडिया, ४० से अधिक पुलिसकर्मियों, वरिष्ठ अधिकारियों और सैकड़ों श्रमिकों की मौजूदगी में इस इमारत को गिराया गया। इस कार्रवाई ने एक बार फिर सिडको की अतिक्रमण नीति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कई लोगों ने पूछा कि अगर सिडको ने अवैध निर्माण हटाने के बाद जमीन को अपने नियंत्रण में नहीं लिया, तो अपराध दोबारा क्यों हुआ? सिडकोअधिकारियों ने नागरिकों से धोखाधड़ी करने वाले बिल्डरों के झांसे में न आने की अपील की है। मुख्य सतर्कता अधिकारी मेंगडिया ने कहा, 'अवैध निर्माणों के खिलाफ हमारी कार्रवाई जारी रहेगी। खारघर में यह १००वीं तोड़फोड़ थी। हम नागरिकों से अपील करते हैं कि वे संपत्ति खरीदने से पहले उसकी वैधता की पूरी जांच करें, ताकि धोखाधड़ी से बचा जा सके।'

पवई के व्यवसायी की ईमेल आईडी हैक, साइबर पुलिस ने 11.19 करोड़ रूपए बचाए

संवाददाता

मुंबई। मुंबई में साइबर धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जिसमें पवई के एक व्यवसायी की ईमेल आईडी हैक कर ली गई। हालांकि, समय पर की गई शिकायत और साइबर पुलिस की त्वरित कार्रवाई के कारण ११.१९ करोड़ रूपए की राशि को फ्रीज कर लिया गया। मुंबई साइबर क्राइम ब्रांच के मुताबिक, यह घटना ३ अप्रैल को दोपहर करीब १:३० बजे हुई।

जैसे ही व्यवसायी ने अपने बैंक खाते से ११.१९ करोड़ रूपए के अनधिकृत लेनदेन को देखा, उसने तुरंत साइबर क्राइम पोर्टल और हेल्पलाइन नंबर १९३० के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच में पता चला कि अज्ञात जालसाज ने कंपनी की बैंकिंग से जुड़ी ईमेल आईडी हैक कर ली थी। इसके बाद, हैकर ने कंपनी के नाम से कोटक महिंद्रा बैंक को झूठे ऑपरेशनल अनुरोध भेजे, जिससे बैंक को गुमराह किया गया। इस धोखाधड़ी के जरिए जालसाजों ने कंपनी के खाते से दो अलग-अलग खातों में ११.३४ करोड़ रूपए ट्रांसफर कर दिए। जैसे ही व्यवसायी को शक हुआ, उसने तुरंत पुलिस को सूचित किया। मुंबई साइबर क्राइम ब्रांच ने शिकायत मिलते ही एनसीसीआरपी पोर्टल पर मामला दर्ज किया और बैंक अधिकारियों के साथ समन्वय किया। उनकी तेजी से की गई कार्रवाई के कारण ११.१९ करोड़ रूपए की राशि को फ्रीज कर लिया गया, जिससे बड़ा वित्तीय नुकसान होने से बच गया। अधिकारियों ने बताया कि साइबर अपराधी अभी भी फरार हैं, और उनकी तलाश के लिए जांच जारी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हैकिंग कैसे की गई और ट्रांजेक्शन कहां भेजे गए।

महाराष्ट्र में ग्लोबल स्किल सेंटर की स्थापना को लेकर सिंगापुर से सहयोग: मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के युवाओं को विश्वस्तरीय कौशल प्रशिक्षण देकर वैश्विक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कौशल विकास विभाग सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। इसी दिशा में, सिंगापुर के मॉडल पर महाराष्ट्र में एक ग्लोबल स्किल सेंटर स्थापित करने की योजना बनाई जा रही है। इसी संदर्भ में आज कौशल विकास मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने सिंगापुर के वाणिज्य दूत ओंग मिंग फुंग से मंत्रालय में मुलाकात कर इस परियोजना पर चर्चा की। मंत्री लोढ़ा ने बताया कि कानूनी प्रक्रियाएं पूरी होते ही महाराष्ट्र के युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के ट्रेड्स में प्रशिक्षण शुरू किया जाएगा।

सिंगापुर के वाणिज्य दूत ने जताई सहमति

बैठक के दौरान सिंगापुर के वाणिज्य दूत ओंग मिंग फुंग ने महाराष्ट्र के विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी ली। उन्होंने कौशल विकास विभाग द्वारा संचालित केंद्रों पर संतोष व्यक्त किया और राज्य के विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय कौशल प्रशिक्षण देने पर सहमति जताई। इस बैठक में व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण निदेशालय की संचालिका श्रीमती माधवी सरदेशमुख, कौशल विकास सोसायटी के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल सोनावणे और मुख्यमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी कौस्तुभ धवसे उपस्थित थे। सिंगापुर के इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन सर्विसेज (ITEES) में वैश्विक उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुसार कौशल पाठ्यक्रम तैयार किए जाते हैं। इस पहल के माध्यम से महाराष्ट्र के युवाओं को बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रोजेक्ट्स में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा, वे आधुनिक तकनीक, रोबोटिक्स, एआई टेक्नोलॉजी, औद्योगिक प्रणाली और सेवाओं से संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। सिंगापुर के ग्लोबल स्किल सेंटर के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे छात्रों को वैश्विक रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। इसी दिशा में, महाराष्ट्र सरकार कौशल विकास विभाग के जरिए युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय अवसर सृजित करने का प्रयास कर रही है। मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने कहा कि सिंगापुर के वाणिज्य दूत ओंग मिंग फुंग के साथ सकारात्मक चर्चा हुई है और जल्द ही इस विषय पर एक समझौता (MoU) किया जाएगा।

मुंबई सेंट्रल रेलवे पुलिस थाने में बेवारिस मोबाइल फोन की नीलामी

संवाददाता

मुंबई। मुंबई सेंट्रल रेलवे पुलिस थाने में विभिन्न आपराधिक मामलों में जब्त किए गए और जिनके दावेदार, मालिक या वारिस सामने नहीं आए हैं, ऐसे मोबाइल फोन की नीलामी आयोजित की जा रही है।

यह नीलामी ५ अप्रैल २०२५ को सुबह ११:३० बजे से दोपहर १२:३० बजे तक होगी। मुंबई सेंट्रल रेलवे पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक एच. टी. कुंभार ने आम नागरिकों से इस नीलामी में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने बताया कि नीलामी में शामिल होने के लिए इच्छुक व्यक्तियों को आवश्यक पात्रता पूरी करनी होगी। इस प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी रखा जाएगा, और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो, इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहेंगे। रेलवे पुलिस विभाग द्वारा जब्त किए गए मोबाइल फोन का विधिवत रिकॉर्ड रखा जाता है। यदि निर्धारित अवधि के भीतर इनके मालिक या वारिस अपने अधिकार का दावा नहीं करते, तो ऐसे सामानों की सरकारी नियमों के तहत नीलामी की जाती है। इस प्रक्रिया से सरकार को राजस्व प्राप्त होता है और जब्त किए गए सामान का उचित उपयोग संभव हो पाता है। नीलामी में भाग लेने के इच्छुक नागरिकों को अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय पर उपस्थित रहने की सलाह दी गई है।

भागशाला मैदान डोंबिवली में 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का हुआ शुभारंभ

संवाददाता

ठाणे। ठाणे जिले के नजदीक डोंबिवली (पश्चिम) के भागशाला मैदान (स्टेशन से ५ मिनट की दूरी पर) में शुक्रवार, ४ अप्रैल २०२५ से सोमवार, ७ अप्रैल २०२५ तक १०८ कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है, जिसका शुभारंभ भूमि पूजन से किया गया। यह आयोजन अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में, डोंबिवली गायत्री परिवार की मुख्य ट्रस्टी श्रीमती संध्याताई डोंबिवलीकर, अनंत प्रसाद त्रिपाठी, आशीष कुमार सिंह, जयवंत झुंझारराव के संयोजन तथा शांतिकुंज हरिद्वार के आचार्यों की उपस्थिति में संपन्न होगा। गायत्री धाम प्रतापगढ़ के आचार्य राजेश पांडे एवं राष्ट्रीय कवि अनिल कुमार राही ने कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप को बताया कि महायज्ञ का शुभारंभ ४ अप्रैल को कलश शोभायात्रा, शांतिकुंज गायत्री द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की प्रदर्शनी, गरबा, आरती एवं प्रसाद के साथ होगा। ५ अप्रैल को देव पूजन, गायत्री महायज्ञ, संस्कार (जनेऊ) एवं संगीत प्रवचन आयोजित किए जाएंगे। ६ अप्रैल को देव पूजन के साथ ११,१११ दीप प्रज्वलन एवं अतिथि सम्मान समारोह होगा, जबकि ७ अप्रैल को देव पूजन, गायत्री महायज्ञ की पूर्णाहुति एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न होगा। आयोजकों ने मुंबई, नवी मुंबई एवं ठाणे महानगर के नागरिकों तथा गायत्री परिवार से जुड़े सभी भाइयों, माताओं एवं बहनों से इस महायज्ञ में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया है।

महाराष्ट्र की जेलों में भगवद गीता की शिक्षा से कैदियों में आ रहा सकारात्मक बदलाव

संवाददाता

मुंबई। क्रोध, द्वेष और नफरत के कारण या परिस्थितियोंवश अपराध हो जाते हैं, लेकिन यदि ऐसे अपराधियों के जीवन में भगवद गीता के माध्यम से सकारात्मकता लाई जाए, तो उनके जीवन में एक नई सुबह आ सकती है। महाराष्ट्र की जेलों में यही बदलाव देखा जा रहा है, जहाँ १९० कैदी भगवद गीता के माध्यम से साधना कर रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पहल के तहत, अब जेलों में भगवद गीता के श्लोक गूंज रहे हैं। पिछले एक साल से गीता परिवार संगठन के माध्यम से महाराष्ट्र की केंद्रीय जेलों में ऑनलाइन भगवद गीता कक्षाएं चलाई जा रही हैं। स्वामी श्री गोविंद देव गिरी जी महाराज द्वारा स्थापित गीता परिवार के स्वयंसेवक इस पहल में प्रशिक्षक की भूमिका निभा रहे हैं। अब तक गीता परिवार द्वारा १२ लाख से अधिक साधकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया जा चुका है। यह कक्षाएँ पूरी तरह निःशुल्क हैं और १३ भाषाओं में संचालित की जाती हैं। हर सत्र ४० मिनट का होता है, जिसमें गीता के श्लोकों का शुद्ध उच्चारण सिखाया जाता है। पहली कक्षा दिसंबर २०२३ में छत्रपति संभाजीनगर जेल में शुरू हुई थी।

इसके बाद इसे कोल्हापुर, नासिक, ठाणे, तलोजा और येरवडा जेलों तक विस्तारित किया गया। इस समय छत्रपति संभाजीनगर जेल से २५, ठाणे से ३५, कोल्हापुर से ४५, नासिक से ४०, तलोजा से ३५ और येरवडा से १० कैदी इस कार्यक्रम से जुड़ चुके हैं। कुल मिलाकर, १९० कैदी गीता के श्लोकों का पाठ कर रहे हैं। गीता परिवार की कक्षाएँ चार चरणों में संचालित होती हैं, जिनमें पहले स्तर में २ अध्याय, दूसरे में ४ अध्याय, और तीसरे व चौथे स्तर में ६-६ अध्याय सिखाए जाते हैं। वर्तमान में, ठाणे, नासिक, कोल्हापुर और तलोजा जेलों में तीसरे चरण का प्रशिक्षण पूरा होने वाला है, जिसमें १२ अध्यायों का अध्ययन हो चुका है। गीता परिवार की ओर से पठनीय गीता पुस्तकें भी उपलब्ध कराई गई हैं। जेल प्रशासन और कैदी दोनों ही इस पहल से संतुष्ट हैं। येरवडा महिला जेल में भी सीधे कक्षाएँ आयोजित की गईं, जबकि पुरुष कैदियों के लिए प्रत्येक रविवार को प्रेरणादायक व्याख्यान दिए जाते हैं। शनिवार और रविवार को कैदियों द्वारा सीखे गए श्लोकों की व्याख्या की जाती है और उनकी शंकाओं का समाधान किया जाता है। इस पहल से कैदियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन देखा जा रहा है। जेल प्रशासन को विश्वास है कि इस तरह के प्रयासों से कैदी अपने परिवारों में वापस जाकर एक अच्छा जीवन जी सकेंगे। भगवद गीता की यह शिक्षा उन्हें आध्यात्मिक संतुलन प्रदान कर रही है और जीवन के प्रति उनका दृष्टिकोण बदल रही है।

बीएमसी के-ईस्ट वार्ड का कर्मचारी रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। मुंबई भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने रिश्वतखोरी के मामले में बीएमसी के के-ईस्ट वार्ड के एक कर्मचारी संदीप जोगदंडकर को गिरफ्तार किया है। आरोपी बीएमसी में सहायक के रूप में कार्यरत था। एसीबी के अनुसार, शिकायतकर्ता ठेले बेचने और किराए पर देने का व्यवसाय करता है। १८ जनवरी २०२५ को, बीएमसी के/ईस्ट वार्ड के रखरखाव विभाग द्वारा उसके ठेले बनाने के उपकरण जब्त कर लिए गए। शिकायतकर्ता ने अगले दिन अधिकारियों से मिलने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। २७ जनवरी २०२५ को उसने एक अधिकारी से संपर्क किया, जिसने बताया कि उसका सामान फेंक दिया गया है और अब कुछ नहीं किया जा सकता। बाद में, २७ मार्च २०२५ को, शिकायतकर्ता को अपने परिचितों से पता चला कि उसका सामान संदीप जोगदंडकर द्वारा बेचा जा रहा है। शिकायतकर्ता ने अपने एक परिचित को जोगदंडकर से मिलने भेजा, जिसके बाद जोगदंडकर ने शिकायतकर्ता से खुद फोन पर संपर्क किया और जेबी नगर मेट्रो स्टेशन के पास मिलने को कहा। वहां उसने शिकायतकर्ता से सामान वापस देने के लिए १५,००० रुपये की रिश्वत मांगी, जिसे बातचीत के बाद १२,००० रुपये तक कम कर दिया गया। शिकायतकर्ता सरकारी कर्मचारी को रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने २ अप्रैल २०२५ को एसीबी मुंबई कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई। एसीबी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक जाल बिछाया और संदीप जोगदंडकर को १२,००० रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अश्विनी बिदरे हत्याकांड में 5 अप्रैल को आ सकता है फैसला

संवाददाता

नवी मुंबई। नवी मुंबई के बहुचर्चित अश्विनी बिदरे हत्या मामले में शनिवार, ५ अप्रैल २०२५ को फैसला सुनाए जाने की उम्मीद है। मामला पनवेल सत्र न्यायालय में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश केजी पालदेवर के समक्ष सूचीबद्ध किया गया है, जिससे करीब सात साल से चल रही सुनवाई का अंत हो सकता है। मुख्य आरोपी बर्खास्त पुलिस निरीक्षक अभय कुरुंदकर और अन्य सह-आरोपियों के भाग्य का फैसला अगले दो दिनों में हो सकता है। अदालत ने ८५ गवाहों की जांच की है और लंबे समय से अनुमान था कि अप्रैल की शुरुआत में फैसला आ सकता है।

क्या है पूरा मामला?

बेलापुर के कोंकण भवन में नागरिक अधिकार संरक्षण इकाई में तैनात सहायक पुलिस निरीक्षक अश्विनी बिदरे १५ अप्रैल २०१६ से लापता थीं। १४ जुलाई २०१६ को उनके लापता होने की शिकायत दर्ज की गई, और जांच के दौरान ३१ जनवरी २०१७ को अपहरण का मामला दर्ज हुआ। जांच में सामने आया कि अश्विनी और कुरुंदकर कथित रूप से रिश्ते में थे। आरोप है कि ११ अप्रैल २०१६ की रात, कुरुंदकर ने मीरा रोड स्थित अपने घर में अश्विनी बिदरे की हत्या कर दी। इसके बाद उसने लकड़ी काटने की मशीन से शव के टुकड़े किए और उन्हें फ्रीजर में रखा। अगले दिन, उसने शव को एक बोरे में भरकर वसई खाड़ी में फेंक दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, हत्या से पांच दिन पहले, कुरुंदकर ने एक कांस्टेबल से लकड़ी काटने की पावर आरी खरीदने को कहा था, जिसका इस्तेमाल शव को टुकड़े करने में किया गया। शव के टुकड़ों को २५ किलो के धातु के ब्लॉक्स से बांधकर वसई खाड़ी में डुबो दिया गया। जिस दुकान से ये वजन खरीदे गए थे, उसकी भी पहचान कर ली गई है।

हत्या के बाद भी चालाकी

अभियोजन पक्ष के अनुसार, हत्या के बाद कुरुंदकर ने अश्विनी के फोन का इस्तेमाल कर उसके परिवार और विभाग को संदेश भेजे कि वह उत्तर भारत में ध्यान शिविर के लिए जा रही है। इसके अलावा, कुरुंदकर ने अपने गश्त ड्यूटी का गलत रिकॉर्ड तैयार किया और वाहन की रीडिंग में छेड़छाड़ कर अपने अपराध को छिपाने की कोशिश की। पाटिल और कुरुंदकर की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) से यह स्पष्ट हुआ कि ११ अप्रैल २०१६ को दोनों की लोकेशन एक ही स्थान पर थी। इसी दिन अश्विनी बिदरे को आखिरी बार देखा गया था। तीनों की लोकेशन ११ अप्रैल को वसई क्रीक के पास थी और उसके बाद बिदरे लापता हो गईं। १४ अप्रैल को अश्विनी का फोन आखिरी बार ऑन हुआ और फिर कभी चालू नहीं हुआ।

मुंबई में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के 5 सदस्य गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को धमकी देने वाले लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के पांच सदस्यों को मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अंधेरी इलाके से गिरफ्तार किया है। इनके पास से ७ पिस्तौल और २१ जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस को शक है कि गिरोह का निशाना कोई बड़ा सेलिब्रिटी हो सकता है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विकास ठाकुर उर्फ विक्की, सुमित कुमार दिलावर, श्रेयस यादव, देवेंद्र सक्सेना और विवेक गुप्ता के रूप में हुई है, जो राजस्थान, बिहार और उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, अंडरकवर एजेंटों से सूचना मिली थी कि गिरोह के कुछ सदस्य हथियारों के साथ मुंबई में मौजूद हैं। कार्रवाई के दौरान इनकी गिरफ्तारी हुई। इस घटना के बाद सलमान खान की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। करीब आठ महीने पहले सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर ७.६ बोर की बंदूक से चार राउंड फायरिंग की गई थी, जिसके बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। महाराष्ट्र सरकार ने उन्हें Y+ श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है, जिसमें ११ हथियारबंद जवान, दो एस्कॉर्ट वाहन और विशेष सुरक्षा अधिकारी तैनात रहते हैं। इसके अलावा, जनवरी में सलमान खान के अपार्टमेंट की बालकनी को बुलेटप्रूफ बनाया गया और हाई-रेजोल्यूशन कैमरे भी लगाए गए। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है और मामले की जांच जारी है।

महाराष्ट्र एफडीए का विशेष दूध जांच अभियान: 1.5 लाख लीटर दूध की जांच, 108 सैंपल लिए गए

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) राज्य के नागरिकों को स्वस्थ, शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, २००६ को सख्ती से लागू कर रहा है। हाल ही में दूध में मिलावट के बढ़ते मामलों को देखते हुए, एफडीए ने १ अप्रैल २०२५ की रात से २ अप्रैल २०२५ की सुबह तक मुंबई में प्रवेश करने वाले दूध टैंकरों की विशेष जांच अभियान चलाया। खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री नरोहरी जिरवाल के नेतृत्व में तीन मुख्य जांच चौकियों- मानखुर्द (वाशी), दहिसर और ऐरोली पर दूध टैंकरों की कड़ी निगरानी की गई। इस दौरान कुल ७९ दूध टैंकरों में १,५१,८९४ लीटर दूध की जांच की गई, जिसमें मानखुर्द चेक पोस्ट पर ५१ वाहनों में १,०४,५३८ लीटर, दहिसर चेक पोस्ट पर १० वाहनों में २७,७०४ लीटर और ऐरोली चेक पोस्ट पर १८ वाहनों में १९,६५२ लीटर दूध की जांच की गई। इसके अलावा, विभिन्न ब्रांडों के १०८ दूध के नमूने (पैक और खुले दूध) लिए गए, जिनकी प्रयोगशाला जांच की जा रही है, और रिपोर्ट आने के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी। राज्य में दूध और डेयरी उत्पादों में मिलावट को रोकने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एफडीए विशेष अभियान चला रहा है, जिसे मंत्री नरोहरी जिरवाल, राज्य मंत्री योगेश कदम और एफडीए आयुक्त राजेश नारवेकर के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। भले ही ग्रेटर मुंबई डिवीजन में स्टाफ की कमी बनी हुई है, फिर भी एफडीए अधिकारी पूरी प्रतिबद्धता के साथ दूध की गुणवत्ता पर नजर बनाए हुए हैं। यह अभियान महाराष्ट्र सरकार की खाद्य सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है और यह सुनिश्चित करता है कि राज्य के लोगों को शुद्ध और मिलावट रहित दूध मिले।

Lok Sabha confirms imposition of President's rule in Manipur

New Delhi: The Lok Sabha early Thursday adopted a Statutory Resolution confirming the imposition of President's rule in Manipur with opposition supporting the decision but slamming the Centre for the situation in the state.

Replying to a short debate, Union Home Minister Amit Shah said the government has taken all possible steps to bring back normalcy in the restive northeastern state. He said there has been no violence in Manipur in the last four months, adding that talks were on with both Meitei and Kuki communities for a peaceful solution.

"By and large the situation is peaceful. As long as people are in camps, I would not say the situation is satisfactory. The government is taking all possible steps to restore peace in Manipur," he said.

The home minister said the ethnic violence in Manipur had started following an order of the state's high

court. "The day the order came, we sent the central forces by air. There was no delay on our part (in taking action)," he said. He said, so far, 260 people have died in the violence that started in May 2023 and 80 per cent of them lost their lives within the first month.

Shah said he did not want to compare the violence that had taken place during the tenure of the previous governments but wanted to tell the House about the clashes between the Naga and Kuki communities that took place in the 1990s over five years. "Sporadic violence continued for a decade where 750 people lost their lives. There were Kuki-Paite clashes in 1997-98 when 352 people were killed. In the Meitei-Pangal clashes in the 1990s, over 100 people died. Neither the then prime minister nor the then home minister visited Manipur," he said. The home minister said an impression has been given that violence erupted only during the BJP rule, which is not correct.

Earlier, participating in the debate, Congress leader Shashi Tharoor said his party supported the resolution but wanted the restoration of peace and stability in the state. "End insurgency, restore peace and stability, promote dialogue with each other, promote inclusivity," he said. Sayani Ghosh of the Trinamool Congress said her party too supports the resolution but favours early restoration of peace. DMK's K Kanimozhi said "divisive" politics should come to an end in Manipur.

Road ahead for Post Office in India

New Delhi: Till very recently, post offices in India were functioning as per provisions of a British era Indian Post Office Act of 1898. Even though post office performs many functions other than mail delivery, the Act identified post office mainly as an instrument of mail delivery and money order payment. Present Government not only reposed its trust in the post office as an arm of the Government of India, but has also empowered it in many ways since 2014. Some of the major initiatives are detailed below.

First and foremost, the Act itself has been repealed and a new Post Office Act 2023 has been passed by the Parliament in December, 2023. The Act embodies the concept of Ease of Living and Ease of doing Business in the 16 sections. Through this enactment, post office has been converted from a mail delivery arm of the Government to service

delivery. With technological tools, it's possible today to deliver many services by the post office both at the post office counter as well as at the doorstep through ubiquitous Postmen and Gramin Dak Sevak. Section 3 of the new Act empowers Central Government to decide on the services that can be rendered through post office in terms of the law in force at the time in respect of such service. The new Act has 16 sections as compared to 77 in the old Act. 1898 Act focused on postage stamp, postal article and money order whereas 2023 Act focuses on Service, Postage Stamp and Address.

Siddaramaiah to meet Rahul Gandhi: Will Karnataka have more Deputy CMs?

New Delhi: The big question on the tenure of Karnataka Chief Minister Siddaramaiah will be discussed during a meeting with Congress leader Rahul Gandhi. According to News9's Gautam Shankar, who is tracking the development from Bengaluru, both Siddaramaiah and Gandhi are scheduled to meet in New Delhi on Thursday (April 3). DK Shivakumar, who currently holds the post of DY CM, is also in the national capital to hold talks with the Congress High Command. The 62-year-old Kanakapura MLA also holds portfolios of water resources and Bengaluru development departments apart from being the president of the Karnataka Pradesh Congress Committee (KPCC).

In a significant development, Karnataka Forest Minister Eshwar Khandre also left for the national capital at 5am on Thursday. The visit of the minister wasn't initially part of the schedule. The move has sparked speculations of Khandre being the frontrunner to replace Shivakumar as the KPCC president. This comes as AICC leadership aims to balance the caste equation with the KPCC president post as the Congress eyes Lingayat voters.

Siddaramaiah is set to propose the creation of two additional posts of Deputy Chief Ministers (DY CMs) in his 30-minute meeting with Gandhi. The Varuna-elected MLA will express his wish to continue as the CM after the completion of his two-and-a-half-year tenure at the end of 2025. The meeting has been arranged by All India Congress Committee (AICC) General Secretary KC Venugopal. The supporters of Shivakumar camp have been vouching for his elevation to the CM's post with many publicly stating that he will take the oath in December most likely and complete his remaining tenure of 2.5 years. It was widely speculated that the rotational CM could be the possible way given that both Siddaramaiah and Shivakumar vied for the CM post.

It will be interesting to see whether Shivakumar will be able to convince the Congress top leadership for his long-term ambitions or will Siddaramaiah manage to complete his full term given that he won't contest in Assembly elections anymore.

Trump's tariff gambit: Global shake-up, India's balancing act, and the Modi template

New Delhi: "It's the economy, stupid!" was the defining message in the 1992 US presidential campaign. Coined by Bill Clinton's campaign manager, James Carville, the postulation rings true today like never before.

US President Donald Trump has reset the global trade order bringing in a new alarming sense of unilateralism to tariffs. As the world paces to decode the impact of the Trump tariff card, it is clear that multilateralism has been buried down under. Under the weight of the tariff tsunami, world trade bodies are scurrying for cover.

The Trump order has not come totally unexpected but what is an element of total surprise is the acute element of bilateralism that would determine the trade reset among nations.

While trade pundits get to assess the full impact country wise, let us for a moment get to pivot away from economics to politics. Let us begin with Trump himself. He has played perfectly to his core constituency telling it that he is the ultimate boss man, an avatar he

has donned to 'Make America Great Again'. The messaging from his camp will get louder in the days to come when he is positioned as a leader who defies his friends and foes alike to put America first in his scheme of things.

Any legitimate outcry on very likely fears of inflation soaring coinciding with recession engulfing America would be sought to be drowned in the cacophony of 'Make America Great Again'. Mark Trump's domestic and international ratings in the days to come as they hit the roof. A new template for power has just been announced.

The tiered tariff order would obviously have a tiered response globally with the majority of the countries being at a receiving end. This means the majority of global leaders would take a beating in their respective ratings in their core constituencies.

From China to Vietnam and Japan to South Korea, the new tariff card would mean a set back to their economies, at least in the short to medium term, while their serving leaders would find it difficult to take the dressing down, especially in their domestic constituencies. What would the Trump tariff diktat mean to India under Prime Minister Narendra Modi?

The economic impact, from initial estimates, would be in the range of $30 to 35 billion dollars annually, which again would come down once we formally hear of pharmaceutical being excluded. It is interesting to note that while Trump slapped a 26 per cent tariff on India, he left out pharmaceuticals simply because generics from India shape up the health of the American citizen. Smart politics from Trump and a leeway to the Modi government.

वक्फ विधेयकावर मध्यरात्रीची चर्चा, अमित 'शाहांचा वॉशरूम ब्रेक'आणि लॉबीची बदललेली व्याख्या; विधेयक मंजुरीआधी नाट्यमय घडामोडी !

नई दिल्ली: वक्फ सुधारणा विधेयक लोकसभेत बुधवारी मध्यरात्री मंजूर झालं. २८८ विरुद्ध २३२ अशा फरकाने विधेयक मंजूर झाल्यानंतर त्यावर देशभरातून प्रतिक्रिया उमटू लागल्या आहेत. मात्र, मध्यरात्री १२ नंतर विधेयकावर घेतलेल्या मतदान प्रक्रियेदरम्यान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह व संरक्षण मंत्री राजनाथ सिंह यांनी घेतलेला वॉशरूम ब्रेक चचेर्चा विषय ठरला. या मुद्द्यावरून विरोधी बाकांवरून काँग्रेस सदस्यांनी गोंधळ घातला खरा, पण अवघ्या काही मिनिटांत त्यांना त्यांच्याच दोन खासदारांमुळे माघार घ्यावी लागली !

लोकसभेत बुधवारी मध्यरात्रीनंतर जवळपास दोन तास चाललेल्या मतदान प्रक्रियेनंतर वक्फ सुधारणा विधेयक मंजूर करण्यात आलं. तब्बल १२ तासांहून जास्त काळ चर्चा केल्यानंतर मध्यरात्री १२ वाजून ६ मिनिटांनी वक्फ सुधारणा विधेयक मंजुरीसाठी सभागृहाच्या पटलावर ठेवण्यात आलं. पुढचे जवळपास दोन तास मतदानाची तीन टप्प्यांत प्रक्रिया चालली. त्यात केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह व संरक्षण मंत्री राजनाथ सिंह हे मतदानादरम्यान उठून सभागृहाबाहेर गेल्यामुळे मोठा गदारोळ झाला. खुद्द अध्यक्षांनी त्यांची ही कृती

रास्त असल्याची भूमिका मांडली. लोकसभेच्या संसदीय कार्य समितीने वक्फ सुधारणा विधेयकावर चचेर्साठी ८ तासच ठेवले होते. पण प्रत्यक्षात ही चर्चा १२ तास चालली. दोन्ही बाजूंनी आक्रमकपणे आपल्या भूमिका मांडण्यात आल्या. शेवटी मध्यरात्री १२ वाजता मतदानासाठी सादर केलेलं विधेयक २ वाजण्यासाठी २ मिनिटं शिल्लक असताना पूर्णांशाने मंजूर झालं ! पण विधेयकाच्या प्रत्येक कलमावर मतदानावरून दावे-प्रतिदावे चालू असताना विरोधकांनी मात्र वेगळ्याच मुद्द्यावरून सरकारविरोधात आघाडी उघडली. वक्फ सुधारणा विधेयक लोकसभेत मतदानासाठी मांडल्यानंतर काही वेळाने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह व संरक्षण मंत्री राजनाथ सिंह हे उठून सभागृहाबाहेर जाताना दिसले. तात्काळ विरोधी बाकांवरून काँग्रेस खासदार के. सी. वेणुगोपाल यांनी त्यावर आक्षेप घेतला. मतदानादरम्यान अशा प्रकारे सदस्यांना सभागृहाबाहेर जाण्याची परवानगी दिली जाऊ शकत नाही, असा मुद्दा त्यांनी उपस्थित केला.

अमित शाह व राजनाथ सिंह यांच्यासाठी सभागृहाचे नियम वाकवले जात आहेत का? असा प्रश्न विरोधकांनी उपस्थित केला. राहुल गांधी वगळता सर्वच काँग्रेसच्या खासदारांनी वेणुगोपाल यांच्यासह या मुद्द्यावर निषेध नोंदवायला सुरुवात केली. विरोधकांचा आक्रमक पवित्रा पाहून सत्ताधारी बाकांवरून यासंदर्भात बाजू मांडली जाऊ लागली. दोन्ही मंत्री स्वच्छतागृहासाठी गेल्याचं भाजपा खासदारांनी सांगितलं. पण त्यामुळे काँग्रेस खासदारांचं समाधान झालं नाही. पण तेवढ्यात काँग्रेस खासदार गौरव गौगोई बाहेरून सभागृहात दाखल झाले. हे पाहून आता सत्ताधारी बाकांवरचे खासदार आक्रमक झाले.

रॅपिडोला कर्नाटकमध्ये दणका; उच्च न्यायालयाची बाइक टॅक्सीला बंदी

नई दिल्ली: महाराष्ट्र सरकारने राज्यात बाईक टॅक्सीला मंजुरी दिली आहे. राज्यातील किमान एक लाख लोकसंख्या असलेल्या शहरांमध्ये आता बाईक टॅक्सी धावणार आहेत. तर कर्नाटकमध्ये बाईक टॅक्सीला बंदी घालण्यात आली आहे. कर्नाटक उच्च न्यायालयाने बुधवारी एक निर्णय दिला ज्यानुसार कर्नाटकातील बाईक टॅक्सी ॲप आणि सेवा बंद करण्यात येणार आहेत. ज्यामुळे राज्यातील रॅपिडो, ओला आणि उबर सारख्या बाइक टॅक्सी सेवांना मोठा धक्का बसला आहे. न्यायमूर्ती बी.एम. श्याम प्रसाद यांनी दिलेल्या या आदेशानुसार, या सर्व बाइक टॅक्सी सेवांना सहा आठवड्यांत बंद करावे लागणार आहे. जोपर्यंत कर्नाटक सरकार मोटर वाहन कायदा, १९८८ अंतर्गत ठोस नियम तयार करत नाही, तोपर्यंत या सेवा बंद राहतील. कंपन्यांनी बाइक टॅक्सींना कायदेशीर मान्यता मिळावी आणि दुचाकी वाहनांना परिवहन वाहने म्हणून नोंदणी करण्याची परवानगी मिळावी, अशी मागणी करणाऱ्या याचिका दाखल केल्या होत्या, पण न्यायालयाने त्या फेटाळून लावल्या. न्यायालयाने सांगितले की, वाहतूक नसलेल्या वाहनांची वाहतूक वाहने म्हणून नोंदणी करण्याचे आदेश देऊ शकत नाही. तसेच सरकारला बाइक टॅक्सींसाठी नियम आणि मार्गदर्शक तत्त्वे तयार करण्यासाठी तीन महिन्यांची मुदत देण्यात आली आहे. इंडियन एक्स्प्रेसशी बोलताना कर्नाटकचे परिवहन मंत्री रामलिंग रेड्डी म्हणाले, या प्रकरणाचा आम्ही सविस्तर अभ्यास करु. न्यायालयाने सहा आठवड्यांचा अवधी आम्हाला दिला आहे. तसंच योग्य ती मार्गदर्शक तत्त्वंही तयार करण्यास सांगितलं आहे. त्यानुसार आम्ही काम करु.कर्नाटकच्या उच्च न्यायलायने सहा आठवड्यांची मुदत दिली आहे आणि बाईक सेवा बंद करण्याच्या सूचना दिल्या आहेत. राज्य परिवहन विभागाने या कालावधीत आमच्यावर कुठलीही प्रतिकूल कारवाई करु नये. रॅपिडोला आता लाखो बाईक चालवणाऱ्या चालकांची चिंता आहे. आदेशाची प्रत मिळाल्यानंतर आम्ही योग्य त्या सगळ्या कायदेशीर गोष्टींचं पालन करु. एप्रिल २०२४ मध्ये बाईक टॅक्सी सेवा सुरु झाली आहे असं वकील अरुण कुमार यांनी कोर्टाला सांगितलं, मात्र त्याचबरोबर याचिकाकर्त्यांनी आता निदेर्शांचं पालन केलं पाहिजे आणि बाईक चालवणं थांबवलं पाहिजे.ह्व असंही न्यायालयाने सांगितलं.सदरचा निर्णय बेंगळूरूमधील ऑटो-रिक्शा आणि कॅब चालकांच्या सततच्या आंदोलनांनंतर आला आहे.

ताजमहालची मालकी कोणाकडे? उत्तर प्रदेश सुन्नी वक्फ बोर्ड आणि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण यांच्यात काय वाद आहे

नई दिल्ली: देशभरात गेल्या काही दिवसांपासून वक्फ दुरूस्ती विधेयकाची जोरदार चर्चा होत आहे. अशात काल लोकसभेत हे विधेयक मंजूर झाले असून, आज राज्यसभेत याच्या मंजुरीसाठी मतदान होणार आहे. दरम्यान यामुळे वक्फशी संबंधित अनेक वास्तू आणि मुद्दे समोर येत आहेत. यामध्ये भारतातील सर्वात प्रसिद्ध वास्तू असलेल्या ताजमहालचाही समावेश आहे.

दरम्यान ताजमहालच्या मालकीबाबत गेल्या अनेक वर्षांपासून कायदेशीर आणि राजकीय वाद सुरू आहे. १७ व्या शतकातील हा ताजमहाल उत्तर प्रदेश सुन्नी वक्फ बोडार्चा आहे की त्याचा ताबा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभागाच्या ताब्यात आहे हा वादाचा केंद्रबिंदू आहे. अनेक दशकांपासून सुरू असलेल्या या प्रकरणात न्यायालयीन लढाया, राजकीय वाद आणि धार्मिक दावेही झाले आहेत. पण अद्याप हा प्रश्न सुटलेला नाही. ताजमहालच्या मालकीबाबतचा वाद सर्वात प्रथम १९९८ मध्ये सुरू झाला. त्यावेळी फिरोजाबाद येथील व्यापारी इरफान बेदार यांनी उत्तर प्रदेश सुन्नी वक्फ बोर्डाकडे ताजमहालला वक्फ मालमत्ता म्हणून घोषित करण्यात यावे असा अर्ज केला होता. त्यावेळी त्यांनी ऐतिहासिक ताजमहालची देखभाल करण्याची जबाबदारीही आपल्याकडे सोपवण्याची विनंती केली होती. इरफान बेदार यांच्या अजार्नंतर, वक्फ बोडार्ने वषार्नुवर्षे ताजमहालचे व्यवस्थापन करणाऱ्या भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभागाला नोटीस बजावली. यामुळे ताजमहालच्या मालकीबाबत निर्णय होण्याऐवजी कायदेशीर संघर्ष सुरू झाला. पुढे २००४ मध्ये इरफान बेदर यांनी ताजमहालची देखभाल करण्याची जबाबदारी मिळावी यासाठी यासाठी अलाहाबाद उच्च न्यायालयात दावा दाखल केला होता.

वक्फ सुधारणा विधेयकाबाबत अजितदादांच्या राष्ट्रवादीची भूमिका काय? सुनील तटकरे पहिल्यांदाच स्पष्ट बोलले

नई दिल्ली: बुधवारी लोकसभेमध्ये वक्फ सुधारणा विधेयक मांडण्यात आलं. हे विधेयक लोकसभेत सादर होताच विरोधकांनी मोठा गोंधळ केल्याचं पाहायला मिळालं. दिवसभर आणि रात्री उशिरापर्यंत या विधेयकावर चर्चा सुरू होती. त्यानंतर मध्यरात्री या विधेयकावर मतदान घेण्यात आलं. विधेयकाच्या बाजुनं 288 मत पडली तर विधेयकाच्या विरोधात 232 मतं पडली. हे विधेयक लोकसभेत मंजूर झालं आहे. त्यानंतर आता या विधेयकावर राजकीय वतुर्ळातून प्रतिक्रिया समोर येत आहेत. राष्ट्रवादी अजित पवार गटाचे खासदार सुनील तटकरे यांची प्रतिक्रिया देखील समोर आली आहे.आम्ही वक्फ सुधारणा विधेयकाला पाठिंबा दिला आहे, मुस्लिम समाजामध्ये विरोधकांकडून जाणीवपूर्वक गैरसमज निर्माण करण्याचा प्रयत्न केला गेला. राष्ट्रपतींच्या सहीनंतर विधेयकाची अंमलबजावणी होईल. मुस्लिम समाजाला न्याय देणारे हे विधेयक आहे, समाज्याच्या प्रगतीसाठी हे विधेयक

आहे. आम्ही पाठिंबा दिला, समर्थन केलं, बोलल्याने समर्थन आहे हे सिद्ध होतं, असं तटकरे यांनी म्हटलं आहे.पुढे बोलताना ते म्हणाले की, इतर पक्षांची भूमिका काय होती, त्याबाबत मी बोलणार नाही. कोंडी कोणाची झाली त्यावरही बोलणार नाही. हे विधेयक धार्मिक नाही, वक्फ बाबत वास्तविकता समोर येण्यासाठी हे विधेयक आहे, असं यावेळी सुनील तटकरे यांनी म्हटलं आहे. दरम्यान या विधेयकावर चर्चे सुरू असताना लोकसभेत चांगलाच गोंधळ झाला. विधेयक लोकसभेत सादर होताच विरोधकांनी गोंधळ घातला, तर सत्ताधारी देखील या विधेयकाच्या समर्थनार्थ मैदानात उतरल्याचं पाहायला मिळालं. काल दिवसभर या विधेयकावर चर्चा झाली. त्यानंतर मध्यरात्री हे विधेयक लोकसभेत मंजूर झालं. विधेयकाच्या बाजूनं 288 मतं पडली तर विधेयकाच्या विरोधात 232 मतं पडली. अखेर हे विधेयक लोकसभेत मंजूर झालं आहे. या विधेयकावर बोलताना मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस आणि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे यांनी शिवसेना ठाकरे गट आणि शिवसेना ठाकरे गटाचे प्रमुख उद्धव ठाकरे यांच्यावर जोरदार निशाणा साधला आहे.

अंडे उबालना भी नहीं आता..सैफ और करीना में कौन है बेहतर कुक?

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान और उनके पति और एक्टर सैफ अली खान बी-टाउन के काफी पॉपुलर कपल्स में से एक हैं। करीना और सैफ के फैंस कपल को बहुत प्यार करते हैं और उनकी लाइफ से जुड़ी हर अपडेट के लिए काफी एक्साइटेड रहते हैं। हाल ही में करीना ने बताया कि उन्हें और सैफ को साथ में कुकिंग करना बहुत ज्यादा पसंद है। करीना ने बताया कि उनमें और सैफ में, सैफ ज्यादा अच्छे कुक हैं।

करीना कपूर और सैफ अली खान बहुत ही खास बॉन्ड शेयर करते हैं। दोनों को साथ देखना उनके फैंस को काफी पसंद है। एक्ट्रेस ने हाल ही में एक बुक लॉन्च के दौरान अपनी और सैफ की ईटिंग हैबिट्स और पसंद-ना पसंद को लेकर बात की। उन्होंने ये भी बताया कि सैफ ज्यादा अच्छे कुक हैं और उन्हें खाना बनाना काफी पसंद है।

करीना ने अपनी न्यूट्रिशिनिस्ट रुजुता दिवेकर की बुक द कॉमनसेंस डाइट के बुक लॉन्च में बात की। उन्होंने कहा कि दिन भर की कड़ी मेहनत के बाद घर का बना खाना खाने से ज्यादा अच्छा और कुछ नहीं होता। करीना ने बताया कि सैफ और उन्होंने खुद खाना बनाना शुरू कर दिया है। करीना ने कहा- हमें ये काफी पसंद है, इसलिए हमने इसे अपनी जीवनशैली बना लिया है। सैफ एक बेहतर कुक है, ये बात तो पक्की है। मैं तो अंडा भी नहीं उबाल सकती। करीना ने कहा कि वो अपने खाने को लेकर बहुत ज्यादा चूजी नहीं हैं और उन्हें कई दिनों तक एक ही चीज, जैसे कि उनका पसंदीदा खाना खिचड़ी, खाने को दे दी जाए तो वो आराम से खा सकती हैं। ये उनका कम्फर्ट फूड है, और वो लगातार पांच दिन यही खाना खा सकती हैं। करीना ने बताया कि उन्हें खिचड़ी में थोड़ा सा घी बहुत पसंद है और वो आराम से इसे खा सकती हैं। करीना ने बताया कि उनका कुक कई बार थक जाता है क्योंकि उन्हें 10-15 दिनों तक एक ही खाना बनाना पड़ता है। उन्होंने ये भी बताया कि कपूर खानदान के लोगों को पाया सूप पीना बहुत पसंद है।

'केसरी 2' बनेगी बॉक्स ऑफिस का सिकंदर?

हाल ही रिलीज हुई सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कर नहीं पाई। जिसके बाद अब लोग आने वाली फिल्मों का इंतजार कर रहे हैं। इसी महीने अक्षय कुमार की 'केसरी 2' और सनी देओल की 'जाट' भी रिलीज हो रही है। ऐसे में फैंस को इन फिल्मों से काफी उम्मीद है। 'केसरी 2' से अक्षय कुमार धमाल मचाने के मूड में हैं। हाल ही में आया फिल्म का टीजर लोगों ने खूब पसंद किया है। टीजर आने के बाद इस फिल्म का क्रेज और भी बढ़ गया है। ऐसे में चलिए जानते हैं कि केसरी 2 अपने ओपनिंग डे पर कितने करोड़ की कमाई कर सकती है।फिल्म केसरी 2 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। यह कोर्टरूम ड्रामा फिल्म है जो जलियांवाला बाग में हुए हत्यकांड पर आधारित है। फिल्म में अक्षय कुमार, अनन्या पांडे और आर माधवन लीड रोल में दिख रहे हैं।पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि केसरी 2 अपने रिलीज के पहले दिन 7 करोड़ रुपये का बिजनेस कर सकती है। हालांकि ये सिर्फ एक अंदाजा है सही आंकड़े तो फिल्म रिलीज होने के बाद ही आएंगे। इसी साल जनवरी में अक्षय कुमार की फिल्म 'स्काई फोर्स' को अच्छा परफॉर्म मिला है। जबर्दस्त ओपनिंग के साथ अपने पहले दिन इस फिल्म ने 12.25 करोड़ कमाए थे। ऐसे में केसरी चैप्टर 2 के ओपनिंग डे कलेक्शन को लेकर काफी उम्मीदें जताई जा रही हैं।

125 करोड़ के बजट में बनीं फिल्म ने किया 362 करोड़ का कारोबार

बॉलीवुड इंडस्ट्री में कई सुपरहिट एक्टर हैं, जिन्होने इंडस्ट्री के कई फिल्मों में काम किया है। बॉलीवुड के सुपरस्टार अजय देवगन ने भी कई फिल्में की हैं। उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट होती हैं। आज हम आपको अजय के एक ऐसी ही फिल्म के बारे में बता रहें हैं, जिसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की थी। ये फिल्म एक्टर की 100वीं फिल्म है। फिल्म इंडस्ट्री में अजय देवगन ने कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। अजय ने फिल्म फूल और कांटे से अपनी फिल्मी करियर की शुरूआत की थी। यह एक एक्शन फिल्म थी। अजय 1991 से फिल्मी दुनिया में एक्टिव हैं। अजय देवगन ने बैक टू बैक कई शानदार फिल्में की हैं। ऑनस्क्रीन अजय और तब्बू की केमिस्ट्री को लोगों ने बहुत पसंद भी किया। हम आपको अजय की 100वीं फिल्म के बारे में बता रहें हैंअजय देवगन की 100वीं फिल्म तान्हाजीः द अनसंग वॉरियर है। यह फिल्म 10 जनवरी 2020 को पर्दे पर आई थी। अजय के इस फिल्म को लोगों ने बहुत पसंद किया था। यह फिल्म अजय के करियर की शानदार फिल्मों में एक है। इस फिल्म में मराठा योद्धा तान्हाजी मालुसरे की कहानी दिखाई गई है। यह इतिहास पर बनी फिल्म है। फिल्म में अजय ने तान्हाजी का किरदार निभाया था। जो बेहद शानदार और तारीफ के काबिल था। इनकी एक्टिंग भी बहुत जबरदस्त थी।

इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई भी की थी। रिपोर्ट्स के अनुसार इस फिल्म को बनाने में 125 करोड़ खर्च हुआ था, जबकि इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड में 362 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। शानदार क्लेक्शन के साथ ही 67वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में उनको तीन अवार्ड्स से नवाजा भी गया। इस फिल्म में शानदार एक्टिंग के लिए अजय देवगन को सर्वश्रेष्ठ एक्टर का अवार्ड मिला था।

पवन सिंह और मोनालिसा का हॉट रेन रोमांस, गाने में जबरदस्त किसिंग सीन से मचा...

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार पवन सिंह और ग्लैमरस अदाकारा मोनालिसा की जोड़ी ने फिर से धमाल मचा दिया है। इन दोनों का सुपरहिट गाना 'जाए दा ऐ जान' इंटरनेट पर धूम मचा रहा है। इस गाने में बारिश में फिल्माए गए रोमांटिक सीन और दोनों की जबरदस्त केमिस्ट्री ने फैंस को दीवाना बना दिया है। भोजपुरी फिल्म 'जिद्दी आशिक' का यह गाना यूट्यूब पर करोड़ों व्यूज बटोर चुका है। इसे अब तक दस करोड़ 20 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है, और यह आंकड़ा तेजी से बढ़ता जा रहा है। गाने की रोमांटिक धुन और शानदार फिल्मांकन इसे और भी खास बना रहे हैं।इस गाने को पवन सिंह और कल्पना पटवारी ने अपनी सुरीली आवाज में गाया है। गाने के खूबसूरत बोल और संगीत विनय बिहारी ने दिया है, जो इसे एक खास भोजपुरी टच देता है।

गर्मी में रोजाना कितने कप कॉफी पीना है सही?

दुनियाभर में कई लोगों की सुबह की शुरूआत कॉफी के साथ होती है। ये कई तरह से सेहत के लिए फायदेमंद होती है। कॉफी में कैफीन होता है, जो थकान को कम करने, एनर्जी प्रदान करने और एक्टिव रहने में मदद करता है। इससे वजन को नियंत्रित रखने में भी मदद मिल सकती है। अगर इसे सही तरीके और सीमित मात्रा में पिया जाए तो ये कई तरह से हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होती है।

कई लोग तो कॉफी पीने के इतने शौकीन होते हैं कि वह दिन में तीन से चार बार इसे पीते ही हैं। कॉफी कई तरह की होती है एस्प्रेसो, कैपुचिनो, लैटे सबसे आम हैं, जिसे हर कोई अपनी पसंद के मुताबिक पीना पसंद करता है। कई लोग इसमें दूध मिलाकर, तो वहीं कई लोग ब्लैक कॉफी पीना पसंद करते हैं। इसकी तासीर गर्म मानी जाती है, ऐसे में गर्मी के मौसम में एक दिन में कितनी कॉफी पीनी चाहिए। आइए जानते हैं इसके बारे में एक्सपर्ट से

एक दिन में कितनी कॉफी पिएं?

दिल्ली के श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट के इंटरनल मेडिसिन एंड इंफेक्शन डिजीज में कंसल्टेंट डॉक्टर अंकित बंसल का कहना है कि गर्मी में कॉफी एक सीमित मात्रा में पीनी चाहिए, क्योंकि इसमें कैफीन होता है जो शरीर को डिहाइड्रेट कर सकता है और इस मौसम में कॉफी ज्यादा पानी से शरीर में डिहाइड्रेशन, एसिडिटी और नींद न आने जैसी समस्या हो सकती है।

डॉक्टर का कहना है कि गर्मी के मौसम में एक दिन में 1 से 2 कप कॉफी पीना काफी होती है, खासकर वो लोग जिन्हें बहुत ज्यादा पसीना आता है या फिर बाहर ज्यादा समय बिताते हैं। ब्लैक कॉफी कैफीन ज्यादा स्ट्रांग होती है, जिससे पसीना ज्यादा आ सकता है और शरीर में पानी की कमी हो सकती है, जबकि दूध वाली कॉफी थोड़ी हल्की होती है और पेट पर नरम असर डालती है।

अगर आपको कॉफी पीना बहुत पसंद है तो गर्मी के मौसम में इसे पीते समय पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है, ताकि शरीर हाइड्रेट रहे। यदि कॉफी पीने से चक्कर, घबराहट या पेट में जलन जैसी दिक्कतें होती हैं, तो तुरंत इसकी मात्रा कम कर देनी चाहिए या डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

ब्लैक या दूध वाली कॉफी, कौन-सी है सही?

कई लोग दूध वाली तो वहीं कुछ लोग ब्लैक कॉफी पीना पसंद करते हैं। लेकिन इन दोनों में से ब्लैक कॉफी को ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। ब्लैक कॉफी एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है। वहीं दूध से बनी कॉफी में पोषक तत्व होते हैं, लेकिन इसमें कैलोरी भी ज्यादा होती है। ब्लैक कॉफी वजन कम करने, ब्लड शुगर लेवल को कम करने में फायदेमंद हो सकती है। लेकिन अपनी पसंद के साथ ही शरीर की जरूरत के मुताबिक ही इसका सेवन करना चाहिए।

किन लोगों को नहीं पीनी चाहिए कॉफी?

जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर, एसिडिटी, डिहाइड्रेशन, नींद न आने या हार्ट से जुड़ी समस्या है, उन्होंने कॉफी पीने से परहेज करना चाहिए या एक सीमित मात्रा में ही इसे पीना चाहिए। गर्भवती महिलाओं को भी कम मात्रा में ही कॉफी पीने की सलाह दी जाती है, क्योंकि इसमें मौजूद ज्यादा कैफीन बच्चे के विकास पर असर डाल सकता है।

केदारनाथ रूट पर फैला ये खतरनाक वायरस, अलर्ट मोड पर धामी सरकार

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा शुरू होने वाली है। यात्रा शुरू होने से ठीक पहले एक बड़ी और टेंशन भरी खबर आई है। यह खबर यात्रा में शामिल होने वाले घोड़े और खच्चरों की बीमारी से संबंधित है। यात्रा रूट पर चलने वाले 12 घोड़े और खच्चरों में खतरनाक वायरस एक्वाईन इन्फ्लुएंजा वायरस की पुष्टि हुई है; मामले की गंभीरता को देखते हुए उत्तराखंड सरकार अलर्ट मोड पर आ गई है। बुधवार को ही राज्य के पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा ने इस संबंध में सचिवालय में बैठक की।

उन्होंने अपने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी यात्रा में इस वायरस से ग्रसित घोड़े या खच्चर शामिल नहीं होने चाहिए। इसके लिए उन्होंने चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले घोड़े और खच्चरों की ठीक से स्क्रीनिंग करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यात्रा रूट पर एक भी घोड़ा या खच्चर इस वायरस से ग्रसित पाया गया तो इसका खामियाजा संबंधित अधिकारियों को भुगतना होगा। इसलिए कोई भी अधिकारी इसे हल्के में ना ले और व्यक्ति रूप से पहल करते हुए सभी घोड़े एवं खच्चरों की जांच कराई जाए।

12 घोड़ों में मिला खतरनाक वायरस

बैठक के बाद मंत्री ने मीडिया से भी बात की। उन्होंने कहा कि अभी केवल रुद्रप्रयाग में ही 12 अश्ववंशीय पशुओं में यह वायरस मिला है, लेकिन सरकार ने यात्रा रूट पर चलने वाले सभी घोड़े एवं खच्चरों की जांच के आदेश दिए हैं। यही नहीं, आसपास के इलाकों से आने वाले घोड़ों की भी जांच के आदेश दिए गए हैं। फिलहाल जिन पशुओं में यह वायरस मिला है, उन्हें क्वारंटीन कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह संक्रामक वायरस है और इसे रोकने के लिए रुद्र प्रयाग में दो क्वारंटीन सेंटर बनाए जा रहे हैं। इसमें एक सेंटर फाटा में बनेगा। वहीं दूसरा कोटमा में बनाया जाएगा।

मुक्तेश्वर संस्थान होगी सैंपल की जांच

उन्होंने बताया कि सरकार की पूरी कोशिश है कि चारधाम यात्रा में कोई भी रोगग्रस्त घोड़ा या खच्चर ना शामिल हो। उन्होंने बताया किघोड़ों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर और दवाइयां उपलब्ध कराने के भी आदेश जारी कर दिए गए हैं। मंत्री सौरभ बहुगुणा के मुताबिक मुक्तेश्वर संस्थान में सभी घोड़े-खच्चरों के सीरोलोजिकल सैंपल की जांच होगी। राज्य के किसी भी जिले में इस वायरस से ग्रसित पशु मिलते हैं तो उन्हें तत्काल क्वारंटीन किया जाएगा।

कब खुलेंगे कपाट

उत्तराखंड मेंचारों धामों के कपाट खुलनेकी तारीख घोषित हो चुकी है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट 30 अप्रैल को खुल जाएंगे। इसी प्रकार बदरीनाथ धाम के कपाट 4 मई को और केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई को खुलेंगे। इसी प्रकार श्री हेमकुंड साहिब के कपाट 25 मई को खुलेंगे।

मथुरा में बनेगा बांके बिहारी का स्पेशल बंगला, अब इसी में विराजमान होंगे महाराज

विश्व प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के फूल बंगले बनना प्रारंभ होने जा रहा हैं। जिसमें ठाकुर बांके बिहारी महाराज अब फूल बंगला में विराजमान होकर भक्तों को सुबह और शाम दर्शन देंगे। साथ ही ठाकुर बांके बिहारी महाराज के लिए फूल बंगला का कार्य देश और विदेशों से आने वाले फूलों से किया जाता है। सुबह और शाम मिलाकर लगभग 200 से अधिक फूल बंगले बनेंगे। ठाकुर बांके बिहारी महाराज फूल बंगले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे।

जानकारी के मुताबिक, ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में 8 अप्रैल से फूल बंगला बनाना प्रारंभ हो जाएगा। जिसमें ठाकुर बांके बिहारी महाराज 8 अप्रैल की सुबह से आने वाली हरियाली अमावस्या तक सुबह-शाम भक्तों को फूल बंगले में विराजमान होकर दर्शन देंगे और तो और गर्भ ग्रह से बाहर निकल कर जगमोहन में विराजमान होंगे।

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी ठाकुर बांके बिहारी महाराज फूल बंगले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देने वाले हैं। वहीं इस बार 200 से अधिक फूल बंगले ठाकुर बांके बिहारी महाराज के बनाए जाएंगे और इन सभी फूल बंगलों में ठाकुर बांके बिहारी महाराज विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे।

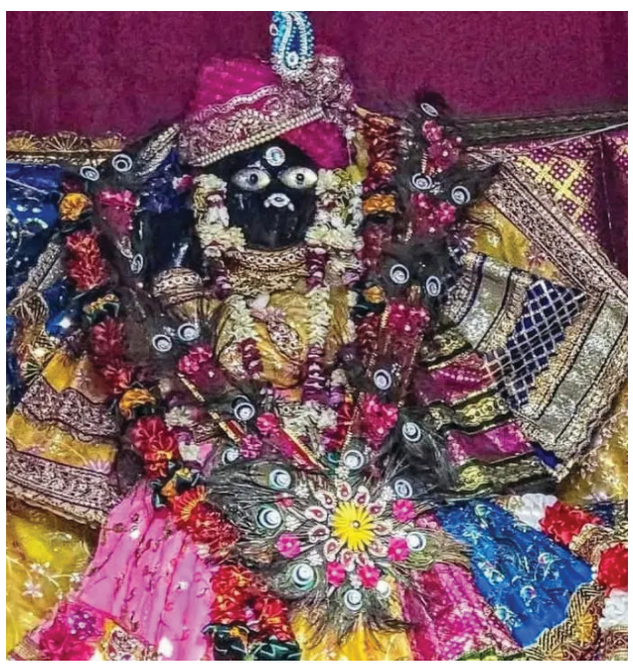

फूल बंगला बनाने में कितनी आती है लागत

वहीं इस एक फूल बंगले की अनुमानित लागत लाखों रुपए में आती है और जब इन सभी फूल बंगलों की संख्या जोड़ दी जाए और उनकी कुल लागत निकली जाए तो करोड़ों रुपए होती है। सीधा-सीधा कहा जा सकता है कि ठाकुर बांके बिहारी महाराज के बनने वाले फूल बंगलों में प्रत्येक वर्ष करोड़ों रुपए का खर्च होता है जो की भक्त अपनी आस्था अनुसार करते हैं।

भक्तों को फूल बंगले में देंगे दर्शन

वहीं इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए बांके बिहारी मंदिर के सेवायक मोहन गोस्वामी ने बताया कि ठाकुर बांके बिहारी महाराज के फूल बंगला 8 अप्रैल से बनना प्रारंभ हो जाएगा। ठाकुर बांके बिहारी महाराज सुबह और शाम भक्तों को फूल बंगले में विराजमान होकर दर्शन देंगे। इस दर्शन को करने के लिए लाखों की संख्या में भक्त वृंदावन आते हैं। वहीं फूलों के बंगले बनाने का कारण होता है कि ठाकुर बांके बिहारी महाराज को गर्मी से राहत प्रदान की जा सके।

कला दर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट
साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व शैक्षणिक संस्था

मध्य प्रदेश में बौद्ध सर्किट विकसित किया जाये.. CM मोहन यादव ने अधिकारियों को दिया निर्देश

संवाददाता

ग्वालियर । मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में धार्मिक, आध्यात्मिक पर्यटन के विकास को प्राथमिकता दी गई है। प्रदेश में भगवान बुद्ध का जिन स्थानों पर प्रभाव रहा है उन्हें बौद्ध सर्किट के रूप में विकसित करने के प्रयास किए जाएं। ऐसे स्थानों में उज्जैन सहित सांची के निकट सतधारा, सोनारी आदि का समावेश किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 के विभिन्न प्रावधानों को विश्वविद्यालय में लागू करने को प्राथमिकता दी जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय सांची की कार्य परिषद की छठवीं बैठक गुरुवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में संपन्न हुई। बैठक में संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति आचार्य प्रो। यज्ञेश्वर एस। शास्त्री वर्चुअल रूप से सम्मिलित हुए। बैठक में विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो। वैद्यनाथ लाभ के साथ ही, साधारण परिषद के सदस्य प्रो। सत्य प्रकाश शर्मा, पद्मश्री कपिल तिवारी, अभय कात्यायन और प्रो। ईश्वर शरण विश्वकर्मा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने कहा कि परिषद के सदस्यों के सुझावों पर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध के प्रमुख शिष्यों में शामिल रहे महाकात्यायन से संबंधित शोध कार्य भी प्रारंभ किया जाए। महाकात्यायन ने उज्जैन से लेकर मथुरा तक भ्रमण करते हुए बौद्ध धर्म का प्रचार किया था। वे तर्क और शास्त्रार्थ में अद्वितीय माने गए थे। बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्ति की उनकी कथा प्रेरक मानी गई है जो धैर्य, ज्ञान और आत्म-अनुशासन के मूल्यों की शिक्षा देती है। बैठक में जानकारी दी गई कि नवंबर में भोपाल में इंडियन सोसायटी फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज के रजत जयंती सम्मेलन का आयोजन प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने इस सम्मेलन के लिए आवश्यक तैयारियां प्रारंभ करने के निर्देश दिए। विश्वविद्यालय के कुलगुरू ने विश्वविद्यालय द्वारा संपादित की जा रही अकादमिक गतिविधियों की जानकारी दी।

दिल्ली-NCR में पटाखों के इस्तेमाल पर ढील से SC का इनकार, ग्रीन पटाखे को भी अनुमति नहीं

संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने स्वच्छ वातावरण में लोगों के जीवन जीने के अधिकार पर जोर देते हुए आज गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने के आदेश को सही ठहाराया। साथ ही शीर्ष अदालत ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखा बनाने, इसके भंडारण, बिक्री और परिवहन पर लगाए गए प्रतिबंध में किसी भी तरह की ढील देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने ग्रीन पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी है। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने पटाखा निमार्ताओं की उन दलीलों को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि पूरी तरह से प्रतिबंध लगाए जाने से न सिर्फ उनके कारोबार बल्कि आजीविका के अधिकार पर भी बुरा असर पड़ेगा। बेंच ने प्रतिबंध में किसी भी तरह की ढील देने से इनकार करते हुए कहा कि क्षेत्र में वायु प्रदूषण का स्तर काफी समय से खतरनाक बना हुआ है। वायु प्रदूषण के स्तर पर चिंता जताते हुए जस्टिस ओका ने कहा कि लंबे समय से वायु प्रदूषण का स्तर चिंताजनक बना हुआ है। आबादी का एक बड़ा हिस्सा सड़कों पर काम करता है और वही प्रदूषण से सबसे ज्यादा प्रभावित होता है।

समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने पर चार सहायक अभियंताओं का रोका गया वेतन

देवेश प्रताप सिंह राठौर

झांसी, उत्तर प्रदेश। जिलाधिकारी अविनाश कुमार की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में 50 लाख से अधिक लागत की निमार्णाधीन परियोजनाओं की प्रगति और सत्यापन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुपस्थित रहने पर सिंचाई निर्माण खंड पंचम के तीन सहायक अभियंताओं और बेतवा नहर प्रखंड के एक सहायक अभियंता का वेतन रोके जाने के निर्देश दिए गए।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर जोर

बैठक में 18 सड़क परियोजनाओं की समीक्षा की गई, जिनकी कुल लागत 50 लाख से अधिक है। डीएम ने निर्देश दिया कि सभी पूर्ण परियोजनाओं को शासनादेशानुसार गठित कमेटी द्वारा सत्यापन के बाद ही हैंडओवर किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों का निरीक्षण संवेदनशील और सावधानीपूर्वक किया जाए। यदि निरीक्षण में गुणवत्ता विहीन कार्य पाया जाता है तो ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के कार्यों पर असंतोष

डीएम ने उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के 14 कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई। उन्होंने पारीछा तापीय विद्युत गृह में बुद्ध बिहार विपश्यना केंद्र के कार्य की समीक्षा करते हुए इसे शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

प्रोजेक्ट अलंकार: अप्रैल तक 28 हाई स्कूलों का हैंडओवर

डीएम ने उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद द्वारा बनाए जा रहे 28 राजकीय हाई स्कूलों की समीक्षा की और निर्देश दिया कि सभी कार्य अप्रैल माह तक पूर्ण कर हस्तांतरित किए जाएं।

चार सहायक अभियंताओं का वेतन रोका गया

बैठक में अनुपस्थित रहने पर सिंचाई निर्माण खंड पंचम के तीन सहायक अभियंताओं– श्री सत्य प्रकाश दुबे, श्री अनूप कुमार, और श्री संजय गौतम–तथा बेतवा नहर प्रखंड के सहायक अभियंता श्री राकेश कुमार का वेतन रोके जाने के निर्देश दिए गए।

पर्यटन स्थलों के विकास कार्यों की समीक्षा

डीएम ने माढ़ियाघाट सौंदर्यीकरण परियोजना की धीमी प्रगति पर असंतोष जताया। इस परियोजना की कुल लागत 4.66 करोड़ है, जिसमें से 3.20 करोड़ जारी किए जा चुके हैं, लेकिन अब तक केवल 1.263 करोड़ ही व्यय हुए हैं। उन्होंने कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता की जांच के आदेश दिए।

हनुमानगढ़ी मंदिर और बरुआसागर किले के विकास कार्यों में देरी पर नाराजगी

डीएम ने लठवारा स्थित हनुमानगढ़ी मंदिर और बरुआसागर किला बस स्टैंड अपग्रेडेशन कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की और निर्देश दिया कि सभी पर्यटन कार्य वर्षा काल से पहले पूरे कर लिए जाएं।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर कड़ा रुख

डीएम ने यूपीपीसीएल के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि यदि गुणवत्ता दोयम दर्जे की पाई गई तो उसे तत्काल ठीक कराया जाए, अन्यथा कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में मौजूद अधिकारी

बैठक में जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी (भवन) दीपांकर चौधरी, पीडी डीआरडीए राजेश कुमार, विद्युत विभाग, पर्यटन विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी और कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी उपस्थित रहे।

पत्नी को अस्पताल में छोड़कर भागा पति, बिल हुआ 1 करोड़.. शरीर का आधा हिस्सा भी खराब, कोर्ट में क्या बोला हस्बैंड

संवाददाता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पति अपनी पत्नी को इलाज के दौरान अस्पताल में ही छोड़ कर फरार हो गया है। अस्पताल ने भी अब महिला को रखने से मना कर दिया है। आलम यह है कि कोई भी महिला को रखने के लिए तैयार नहीं है। जिसके बाद यह मामला कोर्ट में पहुंच गया है। एमहर्स्ट स्ट्रीट पुलिस पति को कोर्ट लेकर पहुंची, जहां पति ने पत्नी को साथ रखने में अपनी असमर्थता जताई है।

एक मीडिया रिपोर्ट के सूत्रों के मुताबिक, दुर्घटना के बाद एक महिला को उसके पति ने सितंबर 2021 में अपोलो मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। महिला का सिर में कई चोटें लगी थी, जिसके बाद उसकी न्यूरोसर्जरी सहित कई सर्जरी हुई थी। इन सब के बावजूद महिला की बोलने की क्षमता चली गई है और उसके

शरीर का निचला हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया है। इस बीच जब महिला की हालत स्थिर हो गई और अस्पताल प्रशासन ने उसके पति को घर ले जाने के लिए कहा तो उसने महिला को घर ले जाने से मना कर दिया।

पति को बार-बार अस्पताल में महिला को घर ले जाने के लिए कहा गया, लेकिन उसने अस्पताल की बिल्कुल भी नहीं मानी। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने पश्चिम बंगाल क्लीनिकल इस्टैब्लिशमेंट रेगुलेटरी कमीशन का रुख किया और उन्हें पूरे मामले की जानकारी दी। इसके बाद अस्पताल ने मामले में कोर्ट जाने का फैसला लिया। इस मामले में अस्पताल की तरफ से पेश हुए वकील ने कोर्ट को बताया कि महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस दौरान उसकी कई सर्जरी भी हुई है।

महिला का उनका 6 लाख रुपये का इंश्योरेंस काफी समय पहले खत्म हो चुका है। अस्पताल के वकील ने बताया कि महिला के इलाज का बकाया बिल एक करोड़ रुपये है। इस मामले में जब जज अमृता सिन्हा ने पति जयप्रकाश गुप्ता से पत्नि को अस्पताल ना ले जाने का कारण पूछा तो पति ने कोर्ट को बताया कि वह एक दुकान चलाता है। उसके पास पत्नी का ख्याल रखने का कोई साधन नहीं है। कोर्ट ने इस मामले में एडवोकेट जनरल को 9 अप्रैल को पेश होने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पति को भी कोर्ट ने हाजिर होने के लिए कहा है।

देवास में एक साथ जलीं 18 चिताएं, घाट पर रो पड़ा पूरा गांव, पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट में गई थी जान

बनासकांठा । गुजरात के बनासकांठा जिले के दिसा में 1 अप्रैल को सुबह 8 बजे एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हुआ। इस हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई। वहीं कई लोग घायल हो गए। मरने वालों में से 18 की पहचान हो गई है, जिनमें से 8 हरदा और 10 देवास जिले (मध्य प्रदेश) के निवासी थे। दो शवों की हालत इतनी खराब थी कि उनकी पहचान डीएनए टेस्ट से की जाएगी। इस बीच आज गुरूवार को हरदा और देवास जिले के मृतक मजदूरों का एक साथ अंतिम संस्कार देवास में हुआ है।

गुजरात के बनासकांठा के पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट हादसा में देवास और हरदा के 18 मजदूरों की मौत दर्दनाक मौत हो गई थी। इन शवों का आज गुरुवार को नेमावर के नर्मदा घाट पर एक साथ अंतिम संस्कार किया गया है। मध्य प्रदेश सरकार के निर्देश पर मृतक के परिजनों को दो-दो लाख रुपए की आर्थिक राशि प्रदान करने की भी घोषणा कर दी गई है। मंगलवार सुबह 8 बजे हुए हादसे में 20 लोगों की मौत हुई थी। इनमें 8 लोग हरदा और 10 देवास जिले के थे।

इनमें 5 से 8 साल तक के बच्चे भी हैं। फिलहाल, इस पूरे हादसे में अब तक दो के शव की पहचान नहीं हो पाई हैं।

जिनकी पहचान अब डीएनए टेस्ट से की जाएगी। मृतकों में एक मां और उसके तीन बेटे भी शामिल हैं। चाचा-भतीजे की जोड़ी भी इस हादसे में खो गई। हादसे में जान गंवाने वाले देवास के 10 मजदूरों के शव पहले उनके पैतृक गांव संदलपुर पहुंचे थे। वहां से अंतिम दर्शन के बाद उन्हें नेमावर घाट लाया गया था।

वहीं, हरदा के हंडिया के 8 लोगों के शव गुजरात से सीधे नेमावर घाट लाए गए। अंतिम संस्कार के दौरान स्थानीय प्रशासन और पुलिस के अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। घटना के बाद से ही पूरे इलाके में मातम का माहौल है। लोगों की आंखें नम हैं। पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

पड़ोसी थे दुश्मन, फंसाने के लिए अपने ही दादा को मार डाला, गिरफ्तार हुआ आरोपी पोता

संवाददाता

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के हयातनगर थाना क्षेत्र के एक गांव में पांच दिन पहले मकान के बाहर चारपाई पर सो रहे ग्रामीण की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस जांच के बाद इस मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। हत्या के आरोपी पोते ने मुकदमे में फैसले के लिए विरोधियों पर दबाव बनाने की योजना के तहत खुद ही अपने दादा की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद विरोधी पक्ष के तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने दादा की हत्या करने वाले पोते को गिरफ्तार कर उसके पास से हत्या में इस्तेमाल तमंचा बरामद किया है।

संभल जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पोते ने अपने दादा की गोली मारकर हत्या कर दी थी। संभल एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि यह घटना हयातनगर थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई थी। जहां पांच दिन पहले एक ग्रामीण की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्यारोपी पोते ने अपने दादा की हत्या करने के बाद विरोधी पक्ष के तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

राजेंद्र की हत्या के बाद जब परिजनों ने करूं, रंगरेश व रविंद्र पर हत्या का आरोप लगाया तो पुलिस ने रात में ही उनके घर पर दबिश दी थी। तीनों घर पर ही सोते मिले तो पुलिस को शक हो गया था। इसके बाद पुलिस ने गहनता से जांच की तो पता चला कि नामजद आरोपी बेकसूर थे। जबकि राजेंद्र के पोते विरलेश ने ही अपने दादा की गोली मारकर हत्या की थी।

पुलिस ने विरलेश को तलाशना शुरू किया तो वह गांव से फरार मिला। इसके बाद हयातनगर पुलिस ने उसे उसकी ससुराल हजरतनगर गढ़ी थाना इलाके के रहटोल गांव से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में विरलेश ने दादा की हत्या की बात कबूल की है। साथ ही पुलिस को वह तमंचा भी बरामद करा दिया जिससे उसने दादा की हत्या की थी। इसके अलावा एक मोबाइल व एक थैला भी पुलिस ने बरामद किया। आरोपी को जेल भेज दिया गया।

हरियाणा के यमुनानगर में दशकों से जारी है जमीन विवाद, वक्फ बिल से जगी आस

संवाददाता

हरियाणा । वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को लेकर लोकसभा में हुई डिबेट के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री किरण रिजिजू ने हरियाणा के यमुनानगर के जठलाना गांव में गुरुद्वारा कमेटी और वक्फ बोर्ड के बीच 14 मरले जमीन को लेकर जारी विवाद का जिक्र किया था। यमुनानगर के जठलाना गुरुद्वारा पर पिछले 58 साल से चल रहे विवाद में संसद में वक्फ बोर्ड बिल संशोधन पारित होने के बाद गांव के सिख और हिंदू समुदाय में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। दरअसल मुस्लिम पक्ष और वक्फ बोर्ड की और से इसे मस्जिद बताया जाता है और मामला कोर्ट में है।

संसद में बुधवार को वक्फ बोर्ड बिल संशोधन के दौरान हरियाणा के यमुनानगर के जठलाना गुरुद्वारा का जिक्र हुआ। 1947 में भारत-पाक विभाजन के समय ये जगह पाकिस्तान से भारत आये मस्तान चंद और गोविंद लाल नाम के दो भाईयों को अलॉट की गई थी, जिन्होंने पहले अपने घर के अंदर ही एक छोटा गुरुद्वारा बनाया और बाद में इस जमीन को गांव की गुरुद्वारा कमेटी और पंचायत को सौंप दिया था।

यमुनानगर के जठलाना गांव में खुशी की लहर

लेकिन 1967 में वक्फ बोर्ड ने इस जमीन पर दावा कर दिया और तब से ये मामला अलग-अलग अदालतों में चल रहा है। इस वजह से गुरुद्वारा में विकास का कोई काम नहीं हुआ और ये खंडहर में तब्दील हो गया।

संसद में वक्फ संशोधन बिल पर बहस के दौरान केंद्र सरकार के दो मंत्रियों द्वारा इस विवाद का जिक्र होते ही इलाके के लोगों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी।

हालांकि मुस्लिम पक्ष अभी भी इस गुरुद्वारे की जमीन पर अपना हक जताता है और इसे मस्जिद बताता है। 1963-64 में वक्फ बोर्ड बनने के 3 साल बाद मुस्लिम पक्ष ने इस जमीन पर दावा ठोक दिया और इसे मस्जिद बताने लगे।

1967 से ये विवाद कोर्ट में चल रहा है। मामला लोअर कोर्ट से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया और बाद में ये पंचायती समझौता हुआ कि ये जगह हिंदू-सिख इलाके में है और इसे उन्हें दे दिया जाए। गांव की पंचायत ने इस गुरुद्वारे की जमीन के बदले मुस्लिम पक्ष को गांव के ही बाहर उतनी ही जमीन देने का वादा भी किया, लेकिन समझौता आगे नहीं बढ़ पाया और गुरुद्वारे में कोई काम नहीं हो सका।

ग्रामीणों को कहना है कि मुस्लिम पक्ष इसी जमीन को लेने पर अड़ा है और मुस्लिम पक्ष द्वारा पंचायती समझौता भी खारिज कर दिया गया। जब भी गुरुद्वारा कमेटी या गांव की पंचायत द्वारा गुरुद्वारे में सुधार का कोई काम होता, मुस्लिम पक्ष के लोग पुलिस भेजकर उसे रुकवा देते हैं।

गांव के हिंदू और सिख पक्ष का कहना है कि गुरुद्वारा लंबे समय से स्थापित है, लेकिन यहां पर पानी का नल लगाने या लंगर हॉल का कोई काम मुस्लिम पक्ष द्वारा नहीं होने दिया जाता। गुरुद्वारे की कमेटी और पंचायत से जुड़े सतीश कुमार, दावेंद्र चौहान और अन्य ग्रामीणों ने कहा कि ये केवल जठलाना में ही नहीं, बल्कि और भी कई जगहों पर वक्फ बोर्ड बेवजह दावा करता है। संसद में जो कुछ हुआ, उससे वे बेहद खुश हैं और उम्मीद है कि जल्द ही ये जगह स्थानीय लोगों को मिलेगी।

उनका कहना है कि अब जब सरकार ने फैसला ले लिया है, तो यहां पर हर सुविधा दी जाएगी। इन लोगों ने गुरुद्वारे की जमीन से जुड़े तमाम पुराने कागजात भी दिखाएं और कहा कि 1980 में कुरुक्षेत्र की कोर्ट से ये लोग केस जीत भी गए थे, लेकिन उसके बाद अलग-अलग अदालतों में वक्फ बोर्ड ने इस जमीन पर कब्जा लेने के लिए केस किया और फिलहाल भी यमुनानगर की कोर्ट में इस जमीन पर यथास्थिति बनाए रखने का केस पेंडिंग है।

इसी वजह से यहां पर कोई निर्माण कार्य नहीं हो सकता और वो चाहते हैं कि वक्फ बोर्ड संशोधन बिल जल्द से जल्द लागू हो और वक्फ बोर्ड के द्वारा जो बेवजह उनके गुरुद्वारे की जमीन हथियाने के लिए दावा किया जा रहा है वो खारिज हो। साथ ही इन लोगों ने कहा कि आज तक मुस्लिम समाज का कोई भी व्यक्ति या वक्फ बोर्ड से जुड़ा अधिकारी यहां पर कभी नहीं आया और ना ही नमाज अदा करने के लिए कोई पहुंचा। 2022 में भी यहां पर वक्फ बोर्ड केस जीतने के बाद कब्जा लेने के इरादे से आना चाहता था, लेकिन तब भी कोई भी नहीं आया क्योंकि यहां पर कभी मस्जिद थी ही नहीं और शुरू से ही यहां गुरुद्वारा है।

दूसरी तरफ, मुस्लिम पक्ष के अब्दुल ने कहा कि मामला शुरू से ही उनके पक्ष में है और यहां पहले मस्जिद हुआ करती थी। ये जगह वक्फ बोर्ड के नाम पर है और फिलहाल मामला कोर्ट में चल रहा है। कोर्ट ने इस जगह पर स्टे भी लगा रखा है।

कार से जा रही थीं 2 लड़कियां, भूल गई रास्ता, फिर हुआ ऐसा हादसा कि घर पहुंची दोनों की लाश

संवाददाता

मुरादाबाद । उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में मंगलवार की देर रात हुए सड़क हादसे में दो लड़कियों की मौत हो गई थी. अब इस मामले में पुलिस ने खुलासा किया है कि आखिरी यह हादसा कैसे और क्यों हुआ? पुलिस ने बताया कि एक कार में सवार चार लोग नैनीताल से हरियाणा के रोहतक लौट रहे थे. इस दौरान वह दिल्ली जाने की कोशिश में रास्ता भटक गए और फिर मुरादाबाद बाईपास की ओर मुड़ते समय वह हादसे का शिकार हो गए.

मुरादाबाद में मंगलवार की देर रात दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया. इस हादसे में दो लड़कियों की मौके पर ही मौत हो गई है. वहीं, दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए भर्ती कराया गया है. एक कार में सवार चार लोग नैनीताल से घूमकर हरियाणा के रोहतक लौट रहे थे, जिसमें दो लड़के और दो लड़कियां थी. इस बीच वह दिल्ली आने के दौरान रास्ता भटक गए और वह मुरादाबाद बाईपास की ओर मुडने लगे.

तभी एक तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों लड़कियों की मौके पर ही मौत हो गई. मृत लड़कियों की पहचान शिवानी और सिमरन के तौर पर हुई है. घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंच कार सवार लोगों को बचाने की कोशिश की, लेकिन तब दोनों लड़कियों ने दम तोड़ दिया था. इस हादसे में गंभीर रूप से घायल दो युवकों को कार से निकालकर पुलिस और स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है.

पुलिस ने मौके से दोनों लड़कियों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिवार को सौंप दिया है. मामले की जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि थाना मूढ़ापांडे इलाके के जीरो पॉइंट चौकी के पास हुए सड़क हादसे में दो लड़िकयों की मौत हो गई है. इस हादसे में एक तेज रफ्तार ट्रक ने वरना कार को सामने से जोरदार टक्कर मारी थी.

सड़क हादसे की जनकारी मिलते ही मोके पर तुरंत थाना पुलिस और ठलअककी टीम और एम्बुलेंस पहुंच गई थी. पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है.

मालिक, प्रकाशक व मुद्रक सुनील कुमार तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट नं. ०४, ग्राउंड फ्लोर. एन.के.इंडस्ट्रीयल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नियर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं ०२, गोरेगांव (पूर्व) मुंबई-४०००६३ से मुद्रित व ६१७, बिल्डिंग नं.१४ नियर शिव शक्ति बिल्डिंग, गोलीबार रोड, सान्ताक्रुज़ (पूर्व) मुंबई-४०००५५ से प्रकाशित। संपादक : सुनील कुमार तिवारी, RNI. NO. MAHMUL/2017/74054, Mob.8898271111 • संपादकीय कार्यालय- कंटेश्वर सिंह चाल, अपोजीट एकताड़ मंडल, साई बाबा रोड, खार (पूर्व), मुंबई- 400051,